सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 193 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 27 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर में पूर्व विधायक के बेटे ने किया सुसाइड, घर में लगाई फांसी

रायपुर। राजधानी रायपुर में देर रात पूर्व विधायक धनीराम साहू के बेटे जय साहू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी लाश कमरे में रस्सी से लटकती हुई मिली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जय पारिवारिक कारणों से परेशान थे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना पंडरी थाना क्षेत्र की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक धनीराम साहू के बेटे जय साहू (45) अपने परिवार के साथ मोवा स्थित आदर्श नगर इलाके में रहते हैं। रविवार रात परिजनों ने पुलिस को सूचना दी कि जय ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो जय का शव फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है और जांच शुरू कर दी है। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि जय साहू अक्सर तनाव में रहते थे।

रायपुर में स्ट्रेंजर पार्टी की तैयारी: बजरंग दल ने खोला मोर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में न्यूड पार्टी की तरह ही 26 अप्रैल को स्ट्रेंजर मीटअप पार्टी की जमकर तैयारी चल रही थी। मामले में बजरंग दल के विरोध के बाद जब नुक्कड़ कैफे संचालक को इस कार्यक्रम की जानकारी मिली, तो उन्होंने बुकिंग रद्द कर दी और कार्यक्रम को आयोजित करने से मना कर दिया। नुक्कड़ कैफे संचालक की ओर से आयोजन कैंसिल करने के बाद भी सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का प्रचार जोरों पर है। दूसरी ओर बजरंग दल ने इवेंट कंपनी का इनविटेशन कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल पर इसका कड़ा विरोध जताया है। आयोजनकर्ताओं के खिलाफ पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि ऐसे किसी भी आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद भी जो इस तरह के फूहड़ कार्यक्रम करेंगे, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

छत्तीसगढ़ में रजिस्ट्री पर सेस खत्म, कल संपत्ति खरीदी में लागू होंगे नए नियम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार ने रियल एस्टेट कारोबार को रफ्तार देने और आम जनता को बड़ी राहत पहुंचाने अब अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर लगने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर (सेस) पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद मंगलवार 28 अप्रैल से यह प्रभावी हो जाएगा। सरकार के इस फैसले से प्रापर्टी खरीदारों की जेब पर बोझ कम होगा। गणना के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति एक करोड़ रुपए की रजिस्ट्री कराता है, तो उसे अब लगभग 60 हजार रुपये का सीधा लाभ मिलेगा।

बता दें छत्तीसगढ़ सेस समाप्ति से जुड़ा विधेयक मार्च 2026 में विधानसभा में ध्वनिमत से पारित किया गया था। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद अब इसे राजपत्र में प्रकाशित करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शनिवार को प्रकाशन के लिए भेजे गए दस्तावेज के आधार पर अधिसूचना जारी की जाएगी। 28 अप्रैल मंगलवार से होने वाली रजिस्ट्रियों में यह लाभ मिलना शुरू हो जाए। सेस खत्म करने के साथ ही सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए रजिस्ट्रेशन फीस को आधा करने जा रही है। महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क चार प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत करने का विधेयक भी मंजूर हो चुका है।

एक करोड़ की संपत्ति खरीदने पर 60 हजार की सीधी बचत

रजिस्ट्री प्रक्रिया को आसान बनाना लक्ष्य

वाणिज्य कर मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा में स्पष्ट किया था कि सरकार का मकसद केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए रजिस्ट्री प्रक्रिया को आसान और सस्ता बनाना है। इस फैसले से संपत्ति खरीदने वालों को राहत मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सेस समाप्त होने और महिलाओं को दी गई छूट से राज्य में रियल एस्टेट सेक्टर को नया प्रोत्साहन मिलेगा। इससे संपत्ति खरीद-फरोख्त बढ़ने के साथ निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

महिलाओं को 50 फीसदी छूट पर अधिसूचना जल्द

सरकार की ओर से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क को 4 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने का फैसला लिया गया था। इस विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर हो गए हैं। इसकी अधिसूचना जारी करने से पहले इसे भाषा सुधार के लिए भेजा गया है। अफसरों का दावा है कि जल्द ही इस छूट की भी अधिसूचना जारी हो जाएगी। यानी अगले हफ्ते से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर 2 प्रतिशत ही पंजीयन शुल्क लगेगा। हालांकि इस बदलाव के बाद पुरुषों के लिए स्टांप ड्यूटी 6.6 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 5.48 प्रतिशत होगी। पुरुषों को पंजीयन शुल्क 4 प्रतिशत और महिलाओं के नाम पर 2 फीसदी लगेगा।

बारात से लौट रही बस पलटी, 19 लोग घायल, दो की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के बोरी थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बरात से लौट रही बस पलट गई। यह हादसा हिर्री के पास दुर्ग-जालबांधा मुख्य मार्ग पर हुआ। हादसे में बस में सवार 19 लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बस तितुरडीह दुर्ग से बाराती बस ग्राम मड़ियापार गई थी। रविवार रात को लगभग 30 लोग बाराती बस से वापस लौट रहे थे। हिर्री के पास दुर्ग-जालबांधा मुख्य मार्ग पर टर्निंग के पास तेज रफ्तार बस का अचानक संतुलन बिगड़ा और पलट गई। बस पलटने के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही बोरी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इस दुर्घटना में करीब 19 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 17 लोगों को हल्की चोटें आई हैं, जबकि एक बुजुर्ग और एक छोटे बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को एम्स रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी : 5 शहरों में तापमान 42 डिग्री के पार

बिलासपुर में पारा 44 डिग्री के पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। पांच शहरों में पारा 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस बीच मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर अंधड़ और बारिश का अलर्ट जारी किया है। 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है, साथ ही गरज-चमक और बिजली गिरने की भी आशंका है। यह स्थिति अगले दो दिनों तक बनी रह सकती है। इसके पीछे यूपी में बने मौसम सिस्टम का असर बताया जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है और यही स्थिति अगले तीन दिनों तक रह सकती है। हालांकि इसके बाद तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना जताई गई है। बीते 24 घंटों में प्रदेश में मौसम पूरी तरह सूखा रहा और कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। तापमान की बात करें तो बिलासपुर सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सबसे कम रहा।

पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा की जमानत याचिका खारिज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोरबा जिले के डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड से जुड़े फंड के इस्तेमाल में भ्रष्टाचार के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा की तुरंत जमानत दिए जाने के लिये प्रस्तुत आवेदन को खारिज कर दिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में हुई। हाईकोर्ट का कहना है कि जुर्म की गंभीरता, आवेदक की भूमिका और गवाहों को प्रभावित करने में आवेदक की स्थिति पर गौर किया गया, क्योंकि वह डिपार्टमेंट में सीनियर ऑफिसर था और सप्लायर्स के साथ मिलकर बहुत सारा पब्लिक फंड हड़पा है। आर्थिक अपराध जानबूझकर और सोच-समझकर किया जाता है, जिसमें निजी फायदे को ध्यान में रखा जाता है।

दुर्ग-भिलाई में एक रात लगी चार जगह आग, कुम्हारी में पुट्ठा गोदाम खाक, ट्रक व ट्रांसफार्मर में लगी आग

जिला अग्निशमन विभाग ने समय रहते पाया आग पर काबू, किसी तरह की जनहानी नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रविवार की रात दुर्ग भिलाई में अलग-अलग जगह आग लगने की घटनाएं सामने आई। भीषण गर्मी को इसका कारण माना जा रहा है। सबसे बड़ी घटना कुम्हारी की सामने आई है जहां एक पुट्ठा गोदाम में आग लग गई जिसमें लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। गोदाम में खड़े पिकअप वाहन भी आग की भेंट चढ़ गए। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत कर चारों जगह पर लगी आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग जिले में बीती रात 4 अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हुई। जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम बासिन में खड़े एक ट्रक में आग लग गई। वहीं कुटुंब न्यायालय के पास एक पेड़ में भी अचानक आग भड़क उठी। इसके साथ बिजली के ट्रांसफार्मरों में भी आग लगी। कुम्हारी स्थित कागज (पुट्ठा) के गोदाम में आग लगी। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है। सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग सभी स्थानों पर आग पर समय रहते काबू पा लिया। चार अलग अलग जगह आग लगने के बाद भी जनहानि नहीं हुई।

जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्ग जिले में विभिन्न स्थानों पर अचानक आग लगी जिसकी सूचना मिलते ही अग्निशमन के दमकल टीम को मौके पर तत्काल रवाना किया गया। अग्निशमन कर्मियों द्वारा कड़ी मशक्कतों से आग पर काबू पाया गया। आगे की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। अग्निशमन दल प्रभारी विजय चतुर्वेदी , शरद मेश्राम, केशव यादव के अग्निशमन कर्मचारियों ने एक अच्छी टीम बनाकर आग पर काबू पाया।

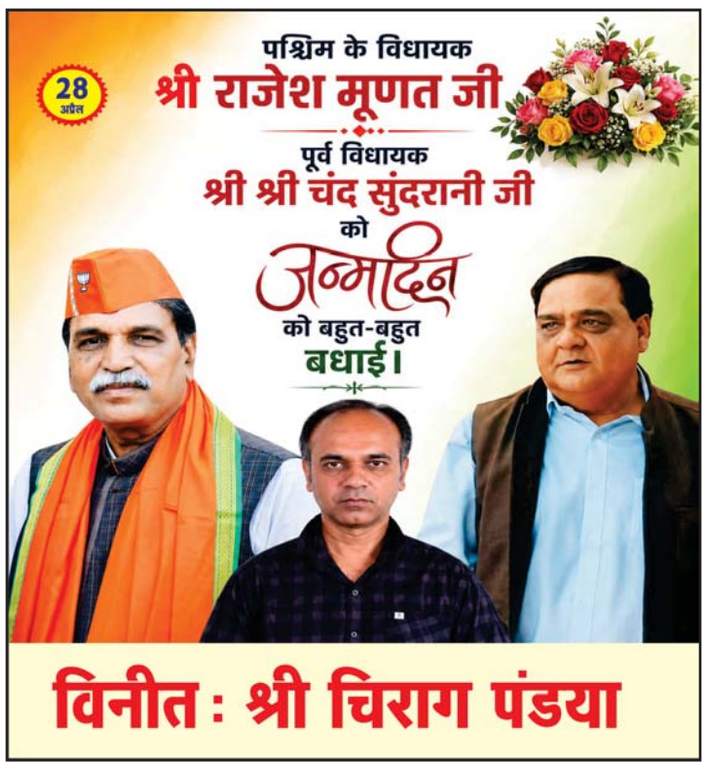

संपादकीय

चिट्टा के खिलाफ महिलाएं

घर से शुरू हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफजब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफअभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

> "महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

पानीपत से बंगाल तक सत्ता की पैंतरेबाजी में नैतिकता

ज्योति मल्होत्रा

पानीपत की पहली लड़ाई के बाद के 500 साल में देश में बहुत कुछ बदला, फिर भी बहुत कुछ पहले जैसा है। खासकर सियासत में मूल्यों का पराभव। बहरहाल, बंगाल और पंजाब काफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा पहले चरण की वोटिंग के बाद जीत का दावा कर रही। वहीं, ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल की लड़ाई पूरे विपक्ष पर गहरा असर डालेगी।

पांच सौ साल पूर्व, चंडीगढ़ से सिर्फ 161 किमी. दूर पानीपत शहर में 21 अप्रैल, 1526 को ज़हीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने दिल्ली सल्तनत के अंतिम व क्रूरतम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हरा डाला और भारत में मुगल शासन की नींव रखी थी।

इसके 231 साल बाद, सुदूर बंगाल में 1757 में प्लाशी के युद्धक्षेत्र में- जिसे अंग्रेजी में 'प्लासी का युद्ध' कहा जाता है- मिली हार के साथ बाबर द्वारा स्थापित यह मुगलिया साम्राज्य अपनी विराटता का अंश मात्र रह गया था। दिल्ली के लाल किले में बैठा आलमगीर द्वितीय नाममात्र का ही बादशाह था। दो साल बाद 1759 में सत्ता संभालने वाले उसके पुत्र, शाह आलम द्वितीय के बारे यह फ़ारसी तंज आम था, 'सल्तनत-ए-शाह आलम, अज़ दिल्ली ता पालम' अर्थात शाह आलम की सल्तनत दिल्ली से पालम तक ही बची है (वर्तमान पुरानी दिल्ली-6 से लेकर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 तक, मात्र 30 किमी. तक)।

यहां पंजाब में, जहां गर्मियों के दिन पहले ही काफी गर्म हो चुके हैं, कोयल ज़ोर-ज़ोर से कूक रही है और आम के पेड़ों पर आया बोर गिर चुका है, इतिहास के इस छोटे से पाठ की जरूरत शायद ही थी। पंजाब को यह सब बताने की ज़रूरत नहीं, उसने पिछले 500 सालों में-उससे भी पहले- हमेशा यही कुछ देखा, वह मैदानी क्षेत्र जो हमलावरों, विजेताओं, तानाशाहों, लोकतांत्रिक शासकों के लिए पसंदीदा पड़ाव रहा है।

और फिर यहां बंगाल है। भारत में कहीं भी जो कुछ भी होता है, वह उपमहाद्वीप के इस हिस्से में कई गुना ज़्यादा होकर घटित होता है। हरियाली अधिक हरी है, खासकर मॉनसून के दौरान। लाल रंग ज़्यादा सुर्ख होता है, विशेषकर 'पूजो' के उन नौ दिनों में जब देवी अधिष्ठात्री होती है। नदियां भी अधिक लंबी हैं-कुछेक तो पंजाब की नदियों से भी, हालांकि दोनों राज्यों में ऐसी नदियां हैं जो दूसरे देशों तक बहती हैं और अन्य जातियों-धर्मों के लोगों को भी अपनी जलधारा से जीवन निर्वाह का मौका देती हैं (इसके अलावा, 1398 में, जब बाबर का पूर्वज तैमूर पंजाब को तबाह कर रहा था- बाबर द्वारा अपने सह-धर्मी सुल्तान को हराकर हिंदुस्तान जीतने से करीब एक सौ साल पहले- बंगाल के मुस्लिम पठान शासक, मसलन गयासुद्दीन आज़म शाह,रामायण जैसे हिंदू महाकाव्यों का बंगाली में अनुवाद करने को प्रोत्साहन दे रहे थे, इसके अलावा उन्होंने चीन के मिंग राजवंश के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए और फ़ारसी कवि हाफिज़ के साथ मिलकर कविताएं लिखीं)।

बंगाल में सभी भावनाएं मिल-जुल कर एक साथ चलती हैं। गुस्सा : 1905 में प्रांत का बंटवारा। पुन: विलय : 1911 में फिर से एक होना। धोखा : मीर जाफर, सुवेंदु अधिकारी। धर्म : 1906 में मुस्लिम लीग का जन्म और 1977-2011 तक नास्तिक कम्युनिस्टों का 34 वर्षीय शासन। संस्कृति : जन-गण-मन और वंदे मातरम। साम्राज्य : 1757 में प्लासी में मुगलों का पतन; 1857 में बैरकपुर में, ईस्ट इंडिया कंपनी का और ब्रिटिश राज का उत्थान और पतन। बदला : 'डायरेक्ट एक्शन डे',1946। राजनीति: 1947 में देश विभाजन।

चाहे आप बंगाल से प्यार करें या नफरत, किंतु आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, दोनों ही इस शाश्वत सत्य को अच्छी तरह समझते हैं, कि अमर्त्य सेन का 'ऑग्युमेंटेटिव इंडियन' संभवतया बंगाली ही है। इसी नाम वाली उनकी किताब की अधिकतम उद्धृत पंक्ति में सेन की दलील है कि भारत की सदियों पुरानी संवाद परंपरा इसलिए बहुत बढ़िया है क्योंकि जाति, वर्ग और शिक्षा स्तर से इतर, विचारों में भिन्नता इसे समृद्ध बनाती है।

किताब की प्रस्तावना में सेन लिखते हैं- 2004 के आम चुनावों से ठीक पहले, कोलकाता में उनके घर के बाहर एक ग्रामीण,जो 'मुश्किल से साक्षर व बहुत गरीब था', ने उनसे कहा : 'हमें चुप करा देना बहुत मुश्किल नहीं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम बोल नहीं सकते'।

कोई हैरानी की बात नहीं कि बंगाल-और पंजाब भी, जैसा कि बीते शुक्रवार शाम पूरी तरह साफ हो गया—काफ़ी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। 2021 के विपरीत, जब प्रधानमंत्री का 'दीदी, ओ दीदी' वाला ताना बंगालियों को ज़्यादा रास नहीं आया था, इस बार भाजपा के तरकश में कहीं ज़्यादा किस्म के तीर हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण में 27.10 लाख मतदाताओं के नाम कटने से-जिससे राज्य की मतदाता सूची में 11.63 प्रतिशत की गिरावट आई- सियासी समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए। मतदान के पहले चरण के बाद भाजपा अपनी जीत का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर, ममता बनर्जी भी जानती हैं कि बंगाल की यह लड़ाई न सिर्फ उनके अपने राजनीतिक कैरियर को बनाएगी या बिगाड़ेगी, बल्कि समूचे विपक्ष के भविष्य पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा। बंगाल में घूमना और वहां की बदलती कहानी को देखना काफी आसान है-यदि आप उत्तर प्रदेश और बिहार की तरफ़से आ रहे हैं, तो बस गंगा नदी के किनारे-किनारे चलते रहिए। प्लासी से ज़्यादा दूर नहीं-जहां 1757 में मुग़ल क्षत्रप सिराज-उद-दौला के पतन की घंटी बजी थी-मुर्शिदाबाद ज़िला है। 19वीं सदी में यह क्षेत्र दुनिया के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में एक था, और आज यह ममता और तृणमूल के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बीच तनातनी का केंद्र बना है। हुमायूं कबीर ने अब अपनी अलग पार्टी बना रखी है- दोनों ही अल्पसंख्यक वोटों को अपनी ओर खींचने की होड़ में लगे हैं; जिसका अर्थ है कि ममता का यह गढ़ अब पहले जितना सुरक्षित नहीं रहा।

आप मुर्शिदाबाद में भागीरथी नदी को एक बेड़े के सहारे पार कर सकते हैं-बताते चलें कि इस बेड़े पर न सिर्फ़ लोग बल्कि एक-दो साइकिलें या स्कूटर, और साथ में कुछ मुर्गियां भी सवार होती हैं। नदी के दूसरी तरफ़ 'हज़ारद्वारी' स्थित है-यह 1837 में नवाब हुमायूं जाह द्वारा बनवाया 900 कमरों वाला ग्रीक-शैली का अद्भुत महल है। इस महल में अकबर के शासनकाल की मशहूर किताब 'आईन-ए-अकबरी' की सात मूल प्रतियों में से एक प्रति सुरक्षित रखी है। यहां सदियों पुरानी बंगाल की इस कहानी में एक और मोड़ है- 'जाह' उस सिराज-उद-दौला का उत्तराधिकारी नहीं था, जो प्लासी की लड़ाई में रॉबर्ट क्लाइव से हारा था बल्कि उस मीर जाफर की संतान था, जिसने 1757 में बंगाल के नवाब से विश्वासघात कर अंग्रेजों का साथ दिया था।

ऐसा नहीं है कि विश्वासघात केवल बंगाल में ही होता है। यहां, पंजाब के मैदानों की गर्मी और मिट्टी के बीच, गत शुक्रवार सत्ताधारी आम आदमी पार्टी में पड़ी फूट-जब दलबदल करने वाले 7 सांसदों में से 3 भाजपा में शामिल हो गए-ने राजनीतिक हलकों में सिहरन पैदा कर दी। संदेश साफ है, न तो आने वाले हफ़्ते में बंगाल में, और न ही पंजाब में- जहां एक साल से भी पहले चुनाव होने हैं,भाजपा कोई कसर छोड़ेगी। उसे विश्वास है कि देश के दो छोरों पर स्थित इन दोनों राज्यों में, जहां वह आजतक अकेले अपने दम पर शासन नहीं कर पाई, वहां सत्ता हासिल करने का मौका मिल सकता है, और ऐसा करने के लिए वो हर चीज़ करेगी, जो कर सकती है।

पानीपत के प्रथम युद्ध के बाद गुजरे 500 सालों में, बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन बहुत कुछ वैसा ही बना हुआ है-पहले विश्व युद्ध के परिप्रेक्ष्य में टीएस इलियट ने 'द वेस्ट लैंड' लिखते समय, पता नहीं बाबर के बारे में सोचा होगा या नहीं, जब उन्होंने युद्ध से उपजी नैतिक शून्यता और थकावट को व्यक्त करती अविस्मरणीय पंक्ति लिखी थी : 'अप्रैल क्रूरतम महीना है...'।

शुक्र है यह महीना जल्द ही खत्म होने जा रहा है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

आत्मा का ज्ञान जीवन में उतार लें तो आत्महत्याएं कम होंगी

पं. विजयशंकर मेहता

वैसे तो स्त्री और पुरुष में दसों इंद्रियां एक जैसी होती हैं, आकार और प्रकार का भेद होता है बस। पर एक विचार इन दोनों में समान है और वो है- आत्मघात का। विपरीत परिस्थितियों में दोनों ही मरने की सोचते हैं। इसको 'जेंडर पैराडॉक्स' कहते हैं। लेकिन आंकड़े ये बताते हैं कि महिलाओं की अपेक्षा पुरुष अधिक आत्महत्या करते हैं। एक तथ्य यह भी है कि प्रयास महिलाएं अधिक करती हैं और परिणाम में पुरुष अधिक सफल होते हैं। लेकिन ये तय है कि आत्महत्या ऐसा विचार और कृत्य है, जो मनुष्य को कभी नहीं अपनाना चाहिए। हमारे देश में जहां अनेक महात्माओं ने आत्मा के प्रति इतने सुंदर विचार दिए हों, वहां हर घंटे 18 लोग आत्महत्या करते हैं और उनमें युवा अधिक हैं। जब परीक्षाओं के परिणाम आएं तो माता-पिता बच्चों पर अत्यधिक ध्यान दें। अगर लोग आत्मा का ज्ञान ठीक से जीवन में उतार लें तो आत्महत्याएं कम होंगी, क्योंकि मन देह को उकसाता है कि इसे समाप्त करो और आत्मा कहती है इसका सम्मान करो, इसे बचाए रखो।

बॉन्डिंग के बहुत-से तरीके खत्म हो रहे हैं, हैंडशेक उनमें से एक है

एन. रघुरामन

सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर मैंने तीन अलग-अलग ग्रूप देखे। एक छोटा और दो बड़े थे। उनमें से एक बड़ा ग्रुप मेरी ही फ्लाइट में था। वे बोर्डिंग गेट पर जुटने लगे और आपस में आईपीएल क्रिकेटर्स की तरह फिस्ट बंप से विश कर रहे थे। सभी एक सर्कल में खड़े हो गए और जब कोई दूर से उन्हें ग्रीट करता तो हाथ सीने पर रख लेते।

कुछ नमस्ते करते तो जवाब भी नमस्ते से मिलता, लेकिन साथ में हाथ भी हिलाया जा रहा था। लोग दूर से ही अपने दोस्तों को पहचान कर सर्कल में उनके पास आकर खड़े हो जाते और फिर जो हुआ, उसने मुझे चौंका दिया। वहां हर तरफ 'एल्बो बंप' दिख रहा था, जबकि कोविड में भी बचा रहा हैंडशेक सर्कल से बाहर बेबस-सा खड़ा था।

व्हीलचेयर पर बैठे एक व्यक्ति समेत 35 लोगों के ग्रुप में एक भी हैंडशेक नहीं हुआ। इससे मुझे लगा कि हैंडशेक अब खत्म होने वाला है। पारंपरिक हैंडशेक में पहले ही काफी गिरावट आ रही है। रिसर्च बताती है कि हर चार में से एक जेन-जी टीनेजर सोशल एंग्जायटी और डिजिटल कम्युनिकेशन को प्राथमिकता देने के कारण अजनबियों से हाथ मिलाने से बचता है।

डेटा बताता है कि अब सोशल एंग्जायटी और झिझक इसके मुख्य कारण हैं। 14-29 साल के 75% युवा मानते हैं कि उन्हें आमने-सामने बातचीत में मुश्किल होती है। युवा आज हैंडशेक को सख्त, थोड़ा अजीब और पुराने दौर का मानने लगे हैं। सामाजिक नियमों के कम्फर्ट और डिजिटल-फर्स्ट कम्युनिकेशन की ओर बढ़ने के साथ ही ग्रीट करने के नए तरीकों ने हैंडशेक को किनारे कर दिया है।

तो अब क्या लोकप्रिय हो रहा है? ये तरीके हैं- फिस्ट बंप, हैंड क्लैप, हाई फाइव, वेव, 'हाय' बोल कर मौखिक अभिवादन या महज सिर हिला देना- खासकर जब लोग पहले से एक-दूसरे के साथ सहज हों। जहां 75% पैरेंट्स चिंतित हैं कि उनके बच्चे व्यक्तिगत जुड़ाव की क्षमता खो रहे हैं, वहीं यह बदलाव ज्यादा अनौपचारिक, कम जर्म-सेंसिटिव और कम एंग्जायटी वाले तरीकों से जुड़ा प्रतीत होता है।

मुझे याद है कि हमारे कॉलेज में हैंडशेक क्लास होती थी। हमें 'परफेक्ट' हैंडशेक के नियम सिखाए गए थे। उन दस में से तीन प्रमुख नियम ये थे। 'डिग्री ऑफ प्रेशर' महत्वपूर्ण है। इसे 'गोल्डीलॉक्स' कहते हैं- मजबूत, किन्तु हल्के दबाव वाली पकड़। ढीला हाथ कमजोर, अविश्वसनीय या आलसी चरित्र का संकेत माना जाता था।

सख्त हायरार्की (कौन शुरुआत करता है?): आप किसी को भी अपना हाथ नहीं दे सकते। एक सख्त 'टॉप-डाउन' प्रोटोकॉल था। जेंडर फर्स्ट: पुरुष कभी महिला की ओर पहले हाथ नहीं बढ़ाता। उसे इंतजार करना होता था कि महिला हाथ बढ़ाए। अगर वे नहीं बढ़ातीं, तो वह बस झुक जाता।

रैंक और उम्र: आयु में छोटा व्यक्ति इंतजार करता था कि बड़ा शुरू करें। सामाजिक तौर पर 'इंफीरियर' अपने 'सुपीरियर' का इंतजार करता था। ऊंचे दर्जे के व्यक्ति की ओर पहले हाथ बढ़ाने को 'जबरन पहल करना' मानते थे।

बॉडी लैंग्वेज पर फोकस: एक 'परफेक्ट' हैंडशेक में सही आई-कॉन्टैक्ट शामिल है। नजरें चुराना संदिग्ध माना जाता था। फिर अकसर हाथ मिलाने के साथ सिर या शरीर के ऊपरी हिस्से को सम्मानजनक तरीके से थोड़ा झुकाया जाता था। बायां हाथ साइड में रहता था। हैंडशेक अकेला खत्म नहीं हो रहा है। इसके साथ 'थैंक यू नोट लिखना' या 'फोन कॉल करना' या फिर 'बिना इमोजी के एक पत्र लिखना' भी शामिल हैं।

फंडा यह है कि इंसान अभी भी स्पर्श करने वाले प्राणी हैं। सही प्रकार से किया गया फिजिकल टच ऑक्सीटोसिन रिलीज करता है और ऐसा भरोसा बनाता है, जिसे शब्द नहीं बना सकते। हालांकि, हैंडशेक 'डिफॉल्ट ग्रीटिंग' का दर्जा खो चुका है। तो क्या हमें इसका शोक संदेश लिखना चाहिए, या इसे री-इन्वेंट करना चाहिए। अपने विचार लिखें।

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से सफलता

डॉ. रेनु सैनी

ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे 'अंतर्मुखी' या 'बहिर्मुखी सांचे' में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है 'ऑर्टोवर्ट'। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है। ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ—वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट-कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है। ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति कुशलता से बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 'ऑर्टोवर्ट' थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण हर ओर तनाव का माहौल बना हुआ था। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। उसने द्वार रक्षक से राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा प्रकट की। द्वार रक्षक बोला, 'यह समय उनसे मिलने का नहीं है। वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं और देश के बारे में गंभीर चर्चा चल रही है।' यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, 'तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें 'हकलाते इंसाफ' वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे।' अब्राहम लिंकन को उनके करीब से जानने वाले 'एब' कहकर पुकारा करते थे। द्वार रक्षक के बार-बार मना करने पर भी जब आंगतुक नहीं माना तो द्वार रक्षक ने यह संदेश लिंकन तक पहुंचा दिया। संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने सबके समक्ष उससे गर्मजोशी से हाथ मिलाया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, ''सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं। ये हमें 'हकलाते इंसाफ' का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। मेरे विचार में इन गंभीर पलों में हमें वह किस्सा सुनना चाहिए। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं।'' इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। उस समय सबको यही लग रहा था कि ऐसे अकुशल, अनगढ़ व्यक्ति के हाथों में देश का भविष्य है लेकिन वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया। प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर 'ऑर्टोवर्ट' गुणों का विकास कर सकता है। उसके लिए अपने अंदर प्रतिदिन निम्नलिखित बातों का विकास करना है— चयनित मौन : हर वक्त अपनी राय रखना जरूरी नहीं है। कई बार मौन रहकर गहराई से बात को समझने का प्रयास करना चाहिए। गहराई व्यक्ति के कार्य को स्पष्टता और सुदृढ़ स्वर प्रदान करती है।

ऊर्जा की वृद्धि : सुबह योग, व्यायाम, अध्यात्म और श्वासों के द्वारा अपनी ऊर्जा को बढ़ाएं। जब आप नियमित अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगाते हैं तो धीरे-धीरे दूसरों की ऊर्जा को पहचानकर उसके अनुरूप प्रतिक्रिया देने की शक्ति विकसित होती जाती है। आत्मीयता का विकास : जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं।

उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। लचीलापन : जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर स्थिति को सहजता से सुलझाने का प्रयास करता है। वर्तमान समय में व्यक्तियों को 'ऑर्टोवर्ट' होना चाहिए क्योंकि ये हर तरह के प्रबंधन को मजबूत करता है। 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति जीवन के सबसे बुरे पड़ाव को भी आराम से पार कर लेता है क्योंकि उसके अंदर स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप मोड़ने की कला आ जाती है।

प्यार नहीं ये रास्ते हैं तकरार के

बहरहाल, होमुर्ज के रास्ते आम रास्ते नहीं हैं। ये रास्ते हैं व्यापार के! ट्रंप की नीयत के चलते ये कहना सही होगा कि अब 'ये रास्ते हैं तकरार के।' हालिया युद्ध नहीं छिड़ा होता तो रास्तों की अहमियत पता नहीं चलती। आमतौर पर लोग रास्ते जानते तो थे, समझते नहीं थे। क्या पता था, होमुर्ज भी कोई रास्ता है? आज इसकी चर्चा जन-जन की जुबान पर है। लोग तो अपने घर, अपने मोहल्ले और अपने देश के रास्तों में ही उलझे रहे हैं। बहुतायत तो बस 'ये रास्ते हैं प्यार के' के बारे में जानते आए हैं। फिर चाहे प्यार के भरोसे कोई उन्हें लूट ही क्यों न ले। लुटते रहे हैं। विकास के नाम पर रास्तों के निर्माण के नेताई प्यार को कौन नहीं जानता? रास्तों के एवज में वोट बटोरने की राजनीति हमेशा से चलन में रही है।

ऐसी मान्यता है कि रास्ते के जरिए ही विकास आता है। रास्ते न हों तो विकास अवरुद्ध हो जाता है। गांवों के विकास के लिए रास्तों के निर्माण की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन्हीं रास्तों से चलकर विकास गांवों में पहुंचाया जा सकता है। अब ये बात और है कि विकास अक्सर अपने रास्ते से भटककर निर्माणकर्ता ठेकेदारों, अधिकारियों और निर्माण की स्वीकृति प्रदाताओं के घर जा पहुंचता है। और फिर वहीं ठहर जाता है। विकास आलीशान इमारतों में बैठकर ऐश करता है और रास्ते गुम जाया करते हैं। बनते-बिगड़ते रास्ते ढूंढ़ने से भी नहीं मिलते। गली-मोहल्ले के रास्तों के निर्माण के लिए चुनाव की प्रतीक्षा करना हमारी आदत में शुमार हो गया है। गड्ढे गरिमा बन चुके हैं। जान जोखिम में डालकर गड्ढों पर फुदक-फुदककर चलना कातिल अदा बन गई है। दरअसल, रास्तों और चुनावों में अंदरूनी घालमेल रहा है। चुनावी मौसम की बयार में नए-पुराने रास्ते खिल उठते हैं। वादों में दिखाई देता सजा-संवरा विकास रिझाने लगता है।

बात चली है तो यह बता देना लाजिमी होगा कि रास्तों का महत्व प्यार में भी रहा है। जनकलाल का जवान बेटा रोजमर्रा के जरूरी काम निपटाने के लिए सीधे रास्ते से नहीं जाता। घूमकर लंबे रास्ते से जाता है, क्योंकि 'घर से निकलते ही, कुछ दूर चलते ही, रास्ते में है उसका घर।' दस-पंद्रह मिनट का जरूरी काम आध-पौन घंटे में निपटाकर लौटता है। दरअसल, प्यार के रास्ते लंबे और कांटों से भरे होते हैं। बावजूद इसके प्यार में पागल प्रेमी पागलपन की हद तक व्यवहार किया करते हैं कि 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली में हमें पांव रखना नहीं।' बहरहाल, होमुर्ज के रास्ते आम रास्ते नहीं हैं। ये रास्ते हैं व्यापार के! ट्रंप की नीयत के चलते ये कहना सही होगा कि अब 'ये रास्ते हैं तकरार के।'

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

खुशबू व अभिनव ने तीरंदाजी के गोल्ड अपने नाम किया

भिलाई। रेलवे तीरंदाजी मैदान चरोदा के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। रायपुर में 20 से 23 अप्रैल तक आयोजित केंद्रीय विद्यालय संगठन के रायपुर रीजनल तीरंदाजी खेल में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भिलाई चरोदा के तीन होनहार खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसमें खुशबू साहू और अभिनव साहू ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, वहीं भावेश मंडावी ने रजत पदक हासिल कर अपनी योग्यता साबित की।

सेक्टर-4 बीएसपी सोसाइटी की आमसभा 3 मई को

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज को-ऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 की सालाना आमसभा 03 मई को सुबह 10 बजे इस्पात क्लब सेक्टर-4 में आयोजित है। जिसमें अध्यक्ष का स्वागत भाषण, प्रतिवेदन बैलेंस शीट (2025-26) की स्वीकृति, बजट (2026-27) को मंजूरी और वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंकेक्षण की नियुक्ति को अनुमति देने सहित अन्य गतिविधियां होगीं। अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने बताया कि आय-व्यय का विवरण संस्था कार्यालय में उपलब्ध है और सदस्यों को अपना फोटोयुक्त पासबुक एवं गेट पास लाना अनिवार्य है।

दासगुप्ता छग प्रदेश थ्रोबाल संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश थ्रोबाल संघ की वार्षिक आम सभा आयोजित की गई। यह आम सभा अग्रसेन आईटीआई भिलाई में संघ के अध्यक्ष रमन साहनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में उपस्थित संघ के सभी पदाधिकारियों द्वारा सर्व सम्मति से श्रीकांत दासगुप्ता को छत्तीसगढ़ प्रदेश थ्रोबाल संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया और दीपक गहलोत को संघ का कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। ए गौतम राव को उपाध्यक्ष और अशोक कुमार, नन्द किशोर कुशवाहा को संयुक्त सचिव सर्व सम्मति से निर्वाचित किया गया। पी कामराजू को पुन: छत्तीसगढ़ प्रदेश थ्रोबाल संघ का सचिव निर्वाचित किया गया।

उरला क्षेत्र में कचरा डंप किए जाने से लोग हो रहे परेशान

दुर्ग। उरला क्षेत्र में नगर निगम की लापरवाही से लोगों के स्वास्थ पर खतरा मंडराने लगा है। क्षेत्र में शहर का कचरा डंप किए जाने से पूरा इलाका गंदगी और बदबू की चपेट में है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों के अनुसार बदबू की वजह से इलाके में रहना मुश्किल हो गया है। कचरा डंप किए जाने का विरोध करने के बाद भी निगम प्रशासन ध्यान नही दे रहा। बल्कि उन्हें परेशान करने की नीयत से दो महीने पहले पांच दिनों तक डोर टू डोर कचरा कलेक्शन तक बंद कर दिया था। लगभग 10 हजार की घनी आबादी वाले नागरिकों की शिकायत पर रविवार को पूर्व विधायक अरुण वोरा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। लोगों ने बताया कि बार-बार शिकायत के बावजूद निगम प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

बिना सरचार्ज संपत्ति कर पटाने के लिए दो दिन शेष, 1 मई से देना पड़ेगा 17 प्रतिशत अधिभार

- आज ही कर जमा करें, कल की परेशानी से बचें
- समय पर कर का भुगतान, जिम्मेदार नागरिक की पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि निर्धारित तिथि के भीतर कर जमा नहीं करने वाले करदाताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में करदाताओं के पास पेनाल्टी से बचने के लिए केवल 2 दिन का समय शेष है।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 1 मई के बाद पूर्व वर्षों का संपत्तिकर जमा करने पर 17 प्रतिशत तक सरचार्ज अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। इसके साथ ही लंबे समय से बकाया रखने वाले करदाताओं के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई, कुर्की एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने इससे बचने की सलाह दी।

करदाताओं की सुविधा एवं अधिकतम वसूली सुनिश्चित करने हेतु निगम के सभी टैक्स काउंटर शनिवार एवं रविवार को भी खुले रहेंगे। साथ ही बकायादारों से कर वसूली के लिए घर-घर अभियान तेज कर दिया गया है। नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से कर भुगतान के लिए भी लगातार प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वे समय रहते अपना दायित्व पूरा कर सकें।

आयुक्त के सख्त निर्देश: वसूली में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शेष बचे दिनों में पूरी सक्रियता, गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ वसूली कार्य किया जाए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

निगम प्रशासन की करदाताओं को सख्त चेतावनी

नगर पालिक निगम, दुर्ग समस्त करदाताओं से अपील करता है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और तुरंत अपना बकाया संपत्तिकर जमा करें। निगम ने कहा कि समय रहते कर भुगतान कर शासकीय छूट का लाभ उठाएं एवं 17 प्रतिशत सरचार्ज जैसे अतिरिक्त आर्थिक भार से बचें।

आज ही कर जमा करें, कल की परेशानी से बचें। समय पर कर भुगतान, जिम्मेदार नागरिक की पहचान।

मूर्तिकार डॉ अंकुश देवांगन की शिल्पकला पर वरिष्ठ साहित्यकार शिव ने लिखी किताब

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सुप्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन की मूर्तिशिल्पकला पर नागपुर के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश शिव ने विशिष्ट पुस्तिका विशेषांक लिखी है। अंकुश देवांगन की कला उपलब्धि पर ललित कला समूह छत्तीसगढ़ से प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डीएस विद्यार्थी, बीएल सोनी, मीना देवांगन, प्रवीण कालमेघ, विजय शर्मा, तरूण धोटे, साहित्यकार मेनका वर्मा एवं समस्त कलाकारों ने बधाई दी है।

ज्ञात हो कि राज्य साहित्य अकादमी एवं अनेक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से विभूषित ओमप्रकाश शिव विदर्भ के एक जाने माने साहित्यकार हैं। उनकी पुस्तकों का संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा 40 से अधिक देशों में संग्रहण हो चुका है। उन्होंने अपनी नवीन पुस्तिका लोककला व लोकसंस्कृति के विविध आयाम तथा संवर्धक को छत्तीसगढ़ की लोककला को समर्पित किया है। इस पुस्तिका में उन्होंने अंकुश देवांगन की कला पर विशिष्ट शोध आलेख लिखा है। कव्हर पेज पर उनके शिल्प को स्थान दिया है। उन्होंने देश भर में स्थापित अंकुश की कालजयी मूर्तिकलाओं का विहंगम चित्रण किया है। इसके साथ ही बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उनके द्वारा 36 वर्षों से चलाए गए हिंसा छोड़ो कला से नाता जोड़ो आंदोलन का भी विशेष जिक्र है।

पृथ्वी दिवस पर प्राणी फाउंडेशन ने की डेयरी उद्योग के पर्यावरण पर पड़ते प्रभाव की चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पृथ्वी दिवस पर युवाओं ने देश के डेयरी उद्योग की पर्यावरणीय लागत के विरुद्ध आवाज उठाई। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, साथ ही गोमांस निर्यात में भी अग्रणी। यह एक ऐसा तथ्य है जो प्राय: सार्वजनिक विमर्श से ओझल रहता है। प्राणी फाउंडेशन के सदस्यों ने सूर्या टीआई मॉल में इसकी तरफ ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने डेयरी उद्योग के पर्यावरणीय प्रभावों के साथ ही गोमांस उद्योग से उसके गहरे संबंध को उजागर किया।

20 शहरों में युवा इस अभियान से जुड़कर लोगों को बता रहे हैं कि दूध और गोमांस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और दोनों गाय से आते हैं। @animal-saveindia के एक इंस्टाग्राम रील में कौन बनेगा करोड़पति की एक क्लिप साझा की गई, जिसमें प्रतियोगी सिद्धार्थ शर्मा द्वारा डयरी पशुओं के भविष्य का वर्णन सुनकर अमिताभ बच्चन भी चौंकते नजर आए। यह रील वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक देखे गए रीलों में से एक बन गई जिसे 1.2 अरब से अधिक बार देखा गया। इस रील ने 65 लाख लाइक्स भी अर्जित किए।

प्राणी प्रोटेक्शन फाउंडशने की प्रबंध न्यासी प्रांजलि शुक्ला ने कहा, हमारा शहर गर्मियों के चरम महीनों में जलता रहता है और हर बीतते वर्ष के साथ यह असह्य होता जा रहा है। इसके बावजदू राज्य लाखों गायों और भैसों के अंधाधुंध प्रजनन को बढ़ावा दे रहा है। दूध उत्पादन बंद करते ही इनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है और इन्हें बेसहारा छोड़ दिया जाता है। सभी लोगों को इसे समझने की जरूरत है।

'आरंभ' का राज्य स्तरीय काव्य पाठ 30 को सेक्टर-9 नर्सिंग कॉलेज में

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में राज्य स्तरीय काव्य पाठ पीजी नर्सिंग कॉलेज सेक्टर-9 में 30 अप्रैल को सुबह 10.00 बजे से आयोजित है। काव्य पाठ में 'आरंभ' के सदस्य और महाविद्यालय के विद्यार्थी काव्य पाठ करेंगे और कविता संवाद होगा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ व्यंग्यकार व प्रगतिशील कवि रवि श्रीवास्तव होंगे। अध्यक्षता पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रोजा प्रिंसी करेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजन कुमार प्रतिष्ठित युवा कवि एवं सहायक प्रो. कल्याण महाविद्यालय कविता पर संवाद चर्चा करेंगे। 'आरंभ' के मुख्य सलाहकार डॉ. महेशचंद्र शर्मा एवं मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा उपस्थित रहेंगे।

कंप्यूटर ट्रेनिंग प्रोग्राम के समापन पर लघु उद्योग भारती ने किया महिलाओं का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। लघु उद्योग भारती महिला इकाई भिलाई द्वारा एमएसएमई स्पॉन्सर कंप्यूटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन एवं उद्यमी महिला सम्मान दिवस का आयोजन प्रदेश महिला प्रभारी गीता वर्मा के मार्ग दर्शन और इकाई अध्यक्ष रश्मि वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में लघु उद्योग भारती प्रदेश अध्यक्ष सुश्री सीपी दुबे, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओम सिंघानिया, प्रदेश महिला प्रभारी गीता वर्मा, एमएसएमई के एडिशनल डायरेक्टर योगेश कुमार, अभिजीत रथ, साइबर क्राइम दुर्ग संभाग के डॉ संकल्प राय, बीडीएस कॉलेज की प्रिंसिपल जसप्रीत कौर, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्रुश्री नीता, टीना सातपुते कार्यकारिणी सदस्य सरोजनी पाणिग्रही उपस्थित थे।

डॉ संकल्प राय ने बहनों को साइबर क्राइम से बचने के टिप्स दिए। योगेश कुमार ने एमएसएमई द्वारा महिला उद्यमियों के लिए चलाये जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। श्रीमती सीपी दुबे, ओम सिंघानिया तथा गीता वर्मा ने कंप्यूटर ट्रेनिंग की बधाई दी तथा सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह प्रदान किया।

इकाई अध्यक्ष रश्मि वर्मा ने बताया। 30 बहनों ने कंप्यूटर की ट्रेनिंग ली जिससे हमारी बहने अपने व्यापार को और भी आगे बढ़ा पाएंगी।

उन्होंने कहा कि, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हमारा यह स्वदेशी अड्डा है जिसमे हमारी बहनों द्वारा उत्पादित शुद्ध और स्वदेशी सामग्री लघु उद्योग भारती के बैनर तले एक ही स्थान पर मिल सके।

सभी विशिष्ट अतिथियों ने महिला उद्यमियों को स्वदेशी अड्डा की स्थापना करने की बधाई दी तथा उसके उत्तरोत्तर तरक्की की कामना की।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष शुभालक्ष्मी शेखरन, सुपेला, इकाई अध्यक्ष जया शाह, मीडिया प्रभारी माधुरी पाराशर, बेंजू गुप्ता, प्रतिमा पारधी सुनैना थानथराटे महिला चेंबर अध्यक्ष सुमन कनौजे, महामंत्री सविता शर्मा, प्रीति, बग्गा, पदमा गज्बे, पूनम मिश्रा, ऋतु शुक्ला, नर्मदा, जैना सु मन शर्मा, रूमी, बुद्धेश्वरी, टुमेश्वरी, रंजना, रंजीता, हेमलता, सुनीता सिन्हा, कुसुम, उमा पाल आदि 100 से अधिक बहने। अपनी टीम के साथ उपस्थिति थी। महामंत्री सुनीता सोनी ने इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी अतिथियों और उपस्थित बहनों का आभार प्रकट किया। इसकी जानकारी भिलाई महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती रश्मि वर्मा ने दी।

मानव एकता दिवस पर निरंकारियों ने किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन द्वारा पूज्य बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' श्रद्धा, समर्पण एवं प्रेमपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर सेक्टर 8, स्ट्रीट नंबर 41 स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन, भिलाई में विशाल रक्तदान शिविर एवं आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया।

इस रक्तदान शिविर में भिलाई, दुर्ग, जामुल, चिचा, गबदी, उतई, जगन्नाथपुर, दल्ली राजहरा सहित जिले के दूरस्थ अंचलों से संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्रांच संयोजक सतपाल सैनी ने बताया कि शिविर में 273 लोगों ने पंजीयन कराया, जबकि 220 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। 171 पुरुषों एवं 49 महिलाओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

दुर्ग सांसद विजय बघेल, दुर्ग महापौर अलका बाघमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र यादव की उपस्थिति से रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन हुआ।

सत्संग को सम्बोधित करते हुए मुखी पंचराम साहू ने कहा कि उपस्थित श्रद्धालुओं व रक्तदाताओं ने मानव एकता, सेवा और प्रेम के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया।

शिविर में संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन, सेवादल के भाई बहनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। रक्त एकत्र करने जिला दुर्ग जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक से प्रभारी डॉ जेपी मेश्राम, चिकित्सा अधिकारी डॉ अवतांश वैष्णव, परामर्शदाता टीएस एंथोनी, लैब टकनीशियन रूपेश सरपे, रोशन सिंह, महेंद्र चंद्राकर एवम स्टाफ नर्स टीम का योगदान रहा। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं रिसर्च सेंटर के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ नीली कुजुर, डॉ दीपक दास महापात्रा, राजीव शर्मा, रीता भटनागर, संजय फुलझल्ले, साजी हसन, सुधीर पांडे, शैल सिंह, अजय आर्या, संदीप पांडे, मीनाक्षी चरण, कुलदीपक तिवारी, जितेंद्र, लीलाधर, केवेन्द्र, पार्वती, अजय देवांगन की टीम ने भी अपना योगदान दिया। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी शंकर सचदेव ने दी।

भारती विवि में 'विश्व बौद्धिक संपदा' पर वेबिनार

वक्ताओं ने समझाया बौद्धिक संपदा का अधिकार नवाचारों की सुरक्षा का महत्व

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा 'विश्व बौद्धिक संपदा दिवस' के अवसर पर आईक्यूएसी के तत्वाधान में बौद्धिक संपदा अधिकारो के मूल तत्व: नवाचारों की सुरक्षा हेतु एक व्यापक मार्गदर्शिका विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा नवाचारों की सुरक्षा के महत्व को समझाना था। वेबिनार में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

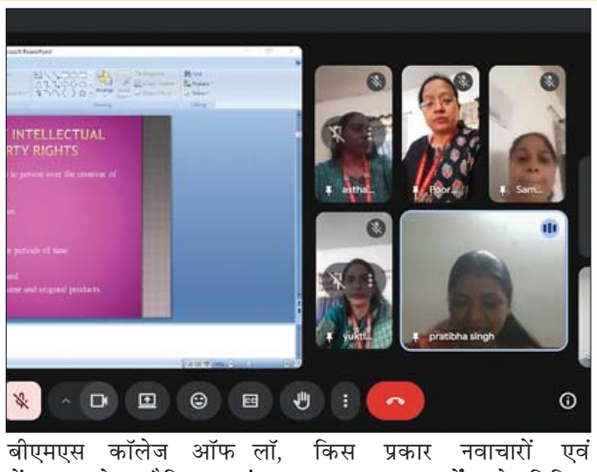

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. प्रतिभा सिंह, विषय विशेषज्ञ, बीएमएस कॉलेज ऑफ लॉ, बेंगलुरु ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न आयामों जैसे कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क आदि पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

उन्होंने यह भी समझाया कि किस प्रकार नवाचारों एवं रचनात्मक कार्यों को विधिक संरक्षण प्रदान किया जा सकता है।

कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर के दिशानिर्देश का परिणाम था। कुलपति प्रो. बीएन तिवारी एवं रजिस्ट्रार डॉ. वीरेंद्र कुमार स्वर्णकर ने वेबिनार के आयोजन तथा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक उन्नयन की पहलों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उक्त आयोजन मे विधि संकाय के प्रभारी डीन डॉ. आस्था चतुर्वेदी, सुश्री संपदा बैस, सुश्री सरिता गुप्ता सहित विधि संकाय के अन्य सदस्यों का योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का समापन सुश्री संपदा बैस द्वारा मुख्य वक्ता तथा प्रतिभागियो के प्रति आभार प्रदर्शन से हुआ। यह वेबिनार संकाय सदस्यो तथा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

विश्व संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण आयोग में कार्टूनिस्ट पांडुरंग हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रख्यात कार्टूनिस्ट और भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक बीवी पांडुरंग राव को नई दिल्ली स्थित विश्व संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण आयोग ने कार्टून कला व पर्यावरण जागरूकता के लिए मानद डॉक्टरेट और आयोग की सदस्यता प्रदान की।

यह सम्मान नई दिल्ली के ग्रीन लाउंज में आयोजित 9वें साहित्य सेवा पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अभिनेता सुदेश बेरी के हाथों दिया गया। राव को स्मृति चिन्ह, पदक और प्रमाण पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में राव ने बेरी का मौके पर बनाया कैरिकेचर भेंट किया, जिस पर बेरी ने आभार जताया। राव ने पर्यावरण, महिलाओं के अधिकार और बच्चों की शिक्षा पर आधारित कुछ जागरूकता कार्टून भी प्रदर्शित किए। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का हस्ताक्षरित कैरिकेचर, 35 कार्टूनों वाला कोलाज बैनर और विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली सबसे छोटी फ्लिप बुक भी दिखाई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

सी. राजेश्वरी का लक्ष्मी सखी मिलेट कार्ट से खुला आमदनी का रास्ता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2026 को शुरू की गई 'लक्ष्मी सखी मिलेट कार्ट' योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस योजना के तहत महिलाएं मिलेट्स से बने स्वस्थ व्यंजन आम लोगों को परोसकर रोजगार प्राप्त कर रही हैं।राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कौशल्या विहार निवासी सी. राजेश्वरी राव को मिलेट कार्ट प्रदान किया। श्रीमती राजेश्वरी ने बताया कि वे पहले अपने समृद्धि महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्य करती थीं। महिला एवं बाल विकास विभाग की इस योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। आज मुख्यमंत्री के हाथों मिलेट कार्ट मिलने पर उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद किया।राजेश्वरी ने कहा कि इस योजना से उन्हें बहुत लाभ हुआ है और वे बेहद खुश हैं। मिलेट कार्ट से होने वाली आमदनी से वे अपना घर चला सकेंगी और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठा पाएंगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल से महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं 'लक्ष्मी सखी मिलेट कार्ट' के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से पात्र महिलाओं को आधुनिक फूड कार्ट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें कोदो, कुटकी, रागी जैसे स्थानीय मिलेट्स से बने पौष्टिक व्यंजन बेचे जा रहे हैं।

12 हजार से अधिक पुस्तकें दान दी जा चुकी है

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए सहायक लेखाधिकारी स्वाति देवांगन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सुश्री देवांगन ने यूपीएससी, पीएससी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के नोट्स सहित अन्य विषयों की 300 से अधिक पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं। सुश्री देवांगन ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी विभागीय बैठक के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 12 हज़ार पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं।

कलेक्टर ने बिना अनुमति नलकूप खनन पर लगाई पाबंदी

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रायपुर जिले में 15 जुलाई तक ग्रीष्म ऋतु के दौरान नये नलकूप खनन पर रोक लगा दी है। कलेक्टोरेट से इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। चालू गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए रायपुर जिले का 15 जुलाई तक जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। गर्मी के मौसम में लोगों को पीने का पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नये नलकूप खोदने पर यह प्रतिबंध लगाया गया है। जारी किए गए आदेश अनुसार रायपर जिले में 15 जुलाई 2026 तक की अवधि में बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के कोई नया नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। इस अवधि में पीने के पानी या पेयजल के अलावा अन्य किसी प्रयोजन के लिए भी नया नलकूप खनन नहीं होगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार के नये नलकूप खनन के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी। शासकीय-अर्द्धशासकीय एवं नगरीय निकायों को पीने के पानी के लिए अपने क्षेत्र अधिकार सीमा में आने वाले क्षेत्र में नलकूप खनन के अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ में सामूहिक विवाह बना सामाजिक एकता का उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । दुर्ग जिले के ग्राम भरर (जामगांव-आर) में आयोजित तहसील स्तरीय विशाल कर्मा महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और परंपरा का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा, जहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सहभागिता करते हुए 13 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज भवन पाटन में शेड निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही ग्राम भरर पंचायत में शौचालय एवं शेड निर्माण तथा ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज को छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और गौरवशाली समाज बताते हुए माता कर्मा के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। उन्होंने कहा कि माता कर्मा की भक्ति और सेवा भावना समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रही है। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय ताराचंद साहू को भी नमन किया और उनके साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा किए। राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले 28 महीनों में राज्य में सुशासन स्थापित करने के साथ-साथ मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि राज्य में 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। किसानों को बकाया बोनस राशि का भुगतान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं और सिलाई-कढ़ाई, किराना दुकान सहित अन्य छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत दो वर्षों में लगभग 42 हजार लोगों को लाभ मिला है । उन्होंने बस्तर क्षेत्र में नक्सल समस्या के उन्मूलन और विकास कार्यों में आई तेजी को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

ऊर्जा क्षेत्र की पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की शुरुआत मार्च 2026 में की गई है, जो उन उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिनका बिजली बिल लंबे समय से बकाया है। मोर बिजली ऐप के माध्यम से उपभोक्ता मोबाइल से ऑनलाइन पंजीकरण कर अपनी पात्रता की जांच कर सकते हैं।

इस योजना के तहत बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज या सरचार्ज में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में अटल डिजिटल केंद्र खोलकर डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है, जबकि प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। राज्य में सुशासन को सुदृढ़ करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए गए हैं, जिससे विकास कार्यों में तेजी आई है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, अध्यक्ष जिला साहू संघ नंदलाल साहू, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जशपुर की महिलाओं को बड़ी राहत, धुएँ से मुक्ति के साथ जीवन हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जशपुर जिले की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन संकल्प के तहत राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि हर पात्र परिवार तक समय पर लाभ पहुँच सके।

जशपुर जिले में अब तक 1 लाख 54 हजार से अधिक महिलाओं को इस योजना के तहत नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इससे महिलाओं को पारंपरिक चूल्हों के धुएँ से राहत मिली है और उनका दैनिक जीवन अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक हो गया है। हाल ही में विकासखंड बगीचा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरित किए गए। इस अवसर पर लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। बगीचा की निवासी श्रीमती क्रांति यादव ने बताया कि अब उन्हें चूल्हे के धुएँ से होने वाली आंखों की जलन और सांस की परेशानी से छुटकारा मिल गया है, जिससे वे स्वच्छ वातावरण में भोजन बना पा रही हैं। वहीं, ग्राम मड़िया की श्रीमती फूलमती नगेसिया ने कहा कि पहले लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाना मुश्किल होता था और घर में धुआँ भर जाता था, लेकिन अब गैस कनेक्शन मिलने से खाना बनाना आसान और साफ-सुथरा हो गया है।

यह योजना न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार ला रही है, बल्कि उनके समय और श्रम की भी बचत कर रही है। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। जशपुर जिले में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, जहाँ महिलाओं का जीवन स्तर बेहतर हुआ है और वे अधिक सशक्त महसूस कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सुगम हुआ सिधमा का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना' सुदूर और नक्सल प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने की एक पहल है। सुदूर अंचलों में सुगम, सुरक्षित और सस्ती सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना।

प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' सरगुजा जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए एक बड़ी राहत बनकर उभरी है।

इस योजना के विस्तार से ग्रामीणों की आवागमन संबंधी बरसों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया है, जिससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि दैनिक यात्रियों के लिए राहें भी सुगम हुई हैं। जिले के लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम सिधमा के निवासी अरुण कुमार बताते हैं कि पहले उनके गाँव में बस की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। काम के सिलसिले में प्रतिदिन अंबिकापुर आने-जाने के लिए उन्हें भारी मशक्कत करनी पड़ती थी। अरुण बताते हैं, पहले बस नहीं चलती थी, तो उन्हें 4-5 किलोमीटर तक पैदल चलकर मुख्य मार्ग तक जाना पड़ता था, तब जाकर कहीं बस मिलती थी।

इससे काफी थकान होती थी और समय भी बहुत बर्बाद होता था। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत ग्राम सिधमा तक बस सेवा का परिचालन प्रारंभ होने से अब अरुण जैसे सैकड़ों ग्रामीणों को उनके गाँव से ही सीधे परिवहन की सुविधा मिल रही है। अब उन्हें पैदल चलने की मजबूरी से मुक्ति मिल गई है। अरुण ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें काम पर आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होती और वे सुरक्षित एवं समय पर अपने गंतव्य तक पहुँच पा रहे हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने दहिकोंगा तेंदूपत्ता फड़ का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने रविवार को कोंडागांव जिले के दहिकोंगा स्थित तेंदूपत्ता फड़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तेंदूपत्ता की गुणवत्ता देखी और संग्राहकों को ही रहे ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मंत्री कश्यप ने दो संग्राहकों के मोबाइल में स्वयं ऑनलाइन एंट्री कर भुगतान प्रक्रिया को पूरा कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। वन मंत्री ने संग्राहकों से सीधे संवाद कर उन्हें तेंदूपत्ता तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े श्रमिकों की आय बढ़ाने और उनकी सुविधाओं में सुधार के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इस अवसर पर कोंडागांव के वन मंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह, संयुक्त वन मंडलाधिकारी डॉ. आशीष कोटरिवार, परिक्षेत्र अधिकारी कोंडागांव, परिक्षेत्र अधिकारी दहिकोंगा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूथ फेस्ट-2026: सौरभ द्विवेदी का मंत्र- फिट रहें, पॉजिटिव सोचें, परिवार संग आगे बढ़ें

संस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य,स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप की रही धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में आयोजित यूथ फेस्ट-2026 के अंतर्गत शाम एक विशेष प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें देश के वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं, विशेषकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों पर केंद्रित रहते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया।

गौरतलब है कि यूथ फेस्ट-2026 के तहत बीते दो दिनों 24-25 को जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य प्रस्तुतियां, स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट से संबंधित वर्कशॉप, फूड स्टॉल्स, कला एवं संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनियां तथा युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले अनेक कार्यक्रम शामिल रहे। अंतिम दिवस पर दायरा बैंड (जादू बस्तर) की प्रस्तुति ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिए और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आज के बदलते दौर में निरंतर सीखना, स्वयं को अपडेट रखना और सकारात्मक सोच बनाए रखना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विशेष रूप से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस समय में संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। सौरभ द्विवेदी ने युवाओं से कहा कि वे बाहरी दुनिया की अनावश्यक आलोचनाओं और भ्रामक बातों से प्रभावित न हों, बल्कि अपने मन की सुनें और परिवार की सलाह को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि परिवार ही व्यक्ति का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, इसलिए अपने माता-पिता, बहनों और परिवारजनों की चिंता करना और उनका ख्याल रखना हर युवा का दायित्व है। महिलाओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में माताओं और बहनों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तब समाज और देश की प्रगति को नई गति मिलती है। उन्होंने महिलाओं को घर और कार्य के बीच संतुलन बनाते हुए अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की भी सलाह दी। उन्होंने युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों को अनावश्यक विज्ञापनों और भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने का संदेश देते हुए कहा कि सही जानकारी, जागरूकता और विवेकपूर्ण निर्णय ही उन्हें सशक्त बनाएंगे। साथ ही उन्होंने सभी से प्रतिदिन कुछ नया सीखने और अपने कौशल को निरंतर निखारने का आह्वान किया। आयोजन के लिए

कार्यक्रम में महापौर रामू रोह कलेक्टर अबिनाश मिश्रा डीएफओ कृष्ण जाधव एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के प्राचार्य विनोद पाठक सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। युवा फेस्ट-2026 का यह आयोजन युवाओं के सर्वांगीण विकास, उनकी रचनात्मकता को मंच देने और उन्हें सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने की दृष्टि से अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

महापौर रामू रोहरा ने युवा फेस्ट-2026 विभिन्न प्रतियोगिता में विजय प्रतिभागियों को ट्राफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर में 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' सत्र की अध्यक्षता की, छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों को किया साझा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया।

श्री साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रेक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए छत्तीसगढ़ में बेहतर खेल अवसंरचना, प्रतिभा संवर्धन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया।

श्री साव ने कहा कि प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। मजबूत खेल व्यवस्था और प्रोत्साहन से ही देश को ओलंपिक खेलों में बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ और पूरे देश में खेलों के समग्र विकास, सुदृढ़ खेल व्यवस्था के निर्माण तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी आज अलग-अलग सत्रों में खेल प्रशासन, नीतिगत सुधार एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान राज्यों में खेल सामग्रियों के निर्माण, सरकारी योजनाओं तथा स्पोर्ट्स स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसमें यह बात प्रमुखता से आई कि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरणों का निर्माण किया जाए, जिससे देश का खेल उद्योग आत्मनिर्भर बन सके।

आज एक महत्वपूर्ण सत्र में सलेक्शन पॉलिसी और एज फ्रॉड पर भी विशेष चर्चा हुई। इसमें खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं स्पष्ट मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही उम्र में गड़बड़ी की रोकथाम के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया एवं तकनीकी उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि खेलों में ईमानदारी एवं विश्वसनीयता बनी रहे।

आज का अंतिम सत्र 'माई भारत' की योजनाओं और इसकी कार्ययोजना पर केंद्रित रहा। इसमें खेलों के साथ-साथ युवा मामलों को भी समान महत्व देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक इनका लाभ पहुंच सके। चिंतन शिविर के समापन के दौरान केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि जल्दी ही केवल युवा मामलों पर केंद्रित एक विशेष चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय चिंतन शिविर में देश के दिग्गज खिलाड़ी ओलंपियन श्री अभिनव बिंद्रा, श्री पुलेला गोपीचंद और श्री गगन नारंग सहित खेल प्रशासक और नीति निर्माता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रियंका चोपड़ा ने किसिंग सीन से किया था इंकार, सुनाया पुराना किस्सा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने 2011 की फिल्म '7 खून माफ' में एक्टर अन्नू कपूर के साथ किसिंग सीन करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद काफी कॉन्ट्रोवर्सी देखने को मिली थी। अब हाल ही में अन्नू कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की है।

प्रियंका चोपड़ा को 2011 की फिल्म '7 खून माफ' के लिए काफी तारीफ मिली थी। लेकिन उस समय एक विवाद भी हुआ था, जब अन्नू कपूर ने बताया था कि प्रियंका उनके साथ ऑनस्क्रीन किस करने को लेकर हिचकिचा रही थीं क्योंकि वो 'हीरो' या 'गुड लुकिंग' नहीं हैं।

पिछले साल अन्नू कपूर ने यह भी कहा था कि उनकी बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने इस विवाद पर खुलकर बातचीत की।

समस्या यह थी कि मैं हीरो नहीं हूं

सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट पर अन्नू कपूर ने इस मामले पर बात करते हुए कहा, 'और क्या वजह हो सकती है? मेरे लुक्स से ज्यादा समस्या यह थी कि मैं हीरो नहीं हूं। मुझे सच में नहीं पता। जब हम विशाल भारद्वाज की फिल्म '7 खून माफ' में साथ काम कर रहे थे, तब कई पत्रकार मुझसे बार-बार पूछ रहे थे कि क्या प्रियंका ने मुझे किस करने से मना कर दिया।

यह करीब 16 साल पहले की बात है। एक इंटरव्यू के दौरान किसी ने मुझसे पूछा कि उन्होंने मुझे किस क्यों नहीं किया, तो मैंने जवाब दिया, 'ये उनकी मर्जी है।' वो बार-बार पूछ रहे थे और मैं झुंझलाकर बोल पड़ा, 'शायद मैं स्टार होता तो वो कर लेती।'

हीरो के साथ इंटीमेट सीन करने में दिक्कत नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैं बिल्कुल परेशान नहीं था। विशाल भारद्वाज ने मुझे बताया था कि वो मुझे किस करने में कंफर्टेबल नहीं हैं। मैं उन्हें 'बेटा' कहता था क्योंकि सेट पर उनके पिता से मेरी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। मिस वर्ल्ड जीतने के बाद वो 'अंताक्षरी' में भी आई थीं। तो जब मुझे बताया गया कि वो कम्फर्टेबल नहीं हैं, तो मैंने कहा, 'ठीक है, समझ में आता है।'

मैंने तो सीन हटाने की भी सलाह दी थी, लेकिन विशाल ने मना कर दिया। हमें वो सीन करना पड़ा। कैमरे पर एक्टर असहज नहीं दिख सकते, इसलिए हमने वो सीन प्रोफेशनली किया।' अन्नू कपूर ने यह भी कहा था, 'उन्हें हीरो के साथ इंटीमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है। अगर टैलेंट मायने नहीं रखता, तो शायद सिर्फ अच्छा दिखना जरूरी है।'

जब अन्नू कपूर पर भड़क गईं थीं प्रियंका

इस पर प्रियंका चोपड़ा ने 2011 में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कड़ा जवाब दिया था। उन्होंने कहा, 'अगर उन्हें इंटीमेट सीन करने हैं और ऐसे सस्ते कमेंट पास करने हैं, तो उन्हें वैसी फिल्में करनी चाहिए।

ऐसे सीन हमारी फिल्म का हिस्सा कभी नहीं थे। मैं बहुत परेशान हूं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें ऐसा कहना शोभा देता है। शायद उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनकी बात मुझे इतना दुख पहुंचाएगी, लेकिन ऐसा हुआ। इस तरह बोलना बिल्कुल गलत था।'

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया, बताया सबसे अच्छा इंसान

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं।

निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है।

इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है।

इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम अब होगा हिसाब बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं।

इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है।

बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म शौकी सरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

लावण्या त्रिपाठी की फिल्म साथी लीलावती की रिलीज डेट से उठा पर्दा, नया पोस्टर भी आउट

लावण्या त्रिपाठी कोनिडेला और देव मोहन अभिनीत फ़िल्म 'साथी लीलावती' 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में भव्य रूप से रिलीज़ होने के लिए तैयार है। जानी-मानी 'आनंदी आर्ट क्रिएशन्स' द्वारा प्रस्तुत और 'दुर्गा देवी पिक्चर्स' के बैनर तले नागा मोहन द्वारा निर्मित इस फ़िल्म का निर्देशन तातिनेनी सत्य ने किया है, जिन्होंने इससे पहले 'भीमिली कबड्डी जट्टू' और 'एसएमएस' जैसी हिट फ़िल्में दी हैं। फिल्म ने सेंसर बोर्ड की सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली हैं और इसे 'यू' सर्टिफिकेट मिला है, जिसका मतलब है कि यह पूरे परिवार के साथ देखने के लिए एकदम सही है।

'साथी लीलावती' की कहानी एक पति और पत्नी के बीच के मज़े, झगड़ों और उनके आपसी रिश्ते के बारे में है। लावण्या त्रिपाठी और देव मोहन ने एक ऐसे कपल का किरदार निभाया है, जिसमें पत्नी की ही चलती है और पति उसके साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करता है; यह सब कुछ हल्के-फुल्के और मज़ेदार अंदाज़ में दिखाया गया है। मेकर्स को पूरा भरोसा है कि यह फिल्म ऐसी समस्याओं को दिखाती है जिनसे दर्शक खुद को जोड़ पाएंगे, लेकिन इसमें एक ऐसा दिल को छू लेने वाला और इमोशनल अंदाज़ भी है जो हर तरह के दर्शकों को पसंद आएगा। इसे एक पॉपकॉर्न एंटरटेनर कहा जा रहा है, जिसमें रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा का ऐसा मेल है जो दर्शकों पर भारी नहीं पड़ता।

फिल्म के दो गाने और एक टीज़र पहले ही रिलीज़ हो चुके हैं, और दोनों ही ट्रेंड कर रहे हैं। दर्शकों को लावण्या की कॉमिक टाइमिंग बहुत पसंद आई है, और मिकी जे. मेयर का गाया 'साथी लीलावती' का टाइटल ट्रैक सोशल मीडिया पर खूब रील्स में इस्तेमाल हो रहा है।

फिल्म में सहायक कलाकारों की भी एक मज़बूत टीम है; नरेश वी.के., सस्गिरी, वीटीवी गणेश, मोटा राजेंद्रन, जाफर और जोशी जैसे कलाकारों ने फिल्म के मज़े को और भी बढ़ा दिया है। उदय पोट्टिपाडु के डायलॉग्स, बिनेंद्र मेनन की सिनेमैटोग्राफी और सतीश सूर्या की एडिटिंग के साथ, फिल्म की टेक्निकल टीम भी काफी दमदार है।

साफ-सुथरी यू रेटिंग, आकर्षक संगीत और एक ऐसी कहानी जिससे लोग खुद को जोड़ सकें—'साथी लीलावती' परिवारों के लिए गर्मियों में देखने लायक एक बेहतरीन फ़िल्म साबित हो सकती है। 8 मई की तारीख पक्की हो चुकी है, और अगर इसका ट्रेलर लोगों को पसंद आता है, तो यह बॉक्स ऑफ़िस पर एक चौंकाने वाली हिट साबित हो सकती है। इस पर नज़र बनाए रखें; पति-पत्नी के रिश्ते पर आधारित यह ड्रामा शायद आपके वीकेंड की पसंदीदा फिल्म बन जाए।

मृणाल ठाकुर की जगह श्रुति हासन होंगी 'पेद्दी' का हिस्सा? फिल्म में कर सकती हैं ये खास काम

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन? गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

गर्मियों के दौरान जुखाम या एलर्जी हो गई है? इन 5 तरीकों से पाएं राहत

अगर गर्मियों के दौरान आपको जुखाम या एलर्जी जैसी समस्या हो जाती है तो इसे नजरअंदाज न करें, क्योंकि इससे आपका संपूर्ण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसके कारण काम करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा जुखाम या एलर्जी की समस्या से सिरदर्द, गले में खराश और आंखों में खुजली जैसी कई परेशानियां भी हो सकती हैं। आइए आज हम आपको जुखाम या एलर्जी को ठीक करने के लिए कुछ आसान तरीके बताते हैं।

पानी का सेवन बढ़ाएं

जुखाम या एलर्जी के कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी हो जाता है। इसके लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे अच्छा तरीका है।

इसके अलावा आप नारियल पानी, ताजे फलों का रस और छाछ आदि भी पी सकते हैं। इससे आपका शरीर हाइड्रेट रहेगा और जुखाम या एलर्जी की समस्या जल्द ठीक हो जाएगी।

नमक का पानी बनाकर पिएं

जुखाम या एलर्जी के कारण शरीर में नमक की कमी हो सकती है और इससे उभरने के लिए नमक का पानी पीना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए एक गिलास पानी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर इसे पी लें।

इससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहेगा और जुखाम या एलर्जी की समस्या जल्दी ठीक हो जाएगी। इसके अलावा आप नींबू पानी में भी थोड़ा-सा नमक मिला सकते हैं, जिससे स्वाद भी बढ़ जाएगा।

ताजे फलों का सेवन करें

गर्मियों में तरबूज, खरबूज, लीची, आम और अंगूर जैसे कई ताजे फल बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है। यह पोषक तत्व जुखाम या एलर्जी को ठीक करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा ये फल शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकते हैं, जिससे ठंड की समस्या का इलाज जल्द होता है। लाभ के लिए इन फलों का सेवन करें।

जुखाम या एलर्जी से बचाव के उपाय

जुखाम या एलर्जी से बचाव के लिए ज्यादा ठंडी चीजों का सेवन करने से बचें। इसके बजाय हल्का ठंडा खाना खाएं और परेशानी महसूस होने पर ठंडी चीजों का सेवन बिलकुल बंद कर दें। इसके साथ ही ठंड या एलर्जी से ग्रस्त व्यक्ति को ठंडे स्थान पर कम रहना चाहिए और ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा हल्के गर्म पानी या गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। एसी वाले कमरे में सोने से भी परहेज करना चाहिए।

आरामदायक कपड़े पहनें

गर्मियों के दौरान जुखाम या एलर्जी होने पर सूती कपड़े पहनने चाहिए, क्योंकि ये आरामदायक होते हैं और पसीने को जल्दी सोख लेते हैं। इसके अलावा हल्के रंग के कपड़े पहनने से भी फायदा हो सकता है, क्योंकि ये सूरज की किरणों को कम अवशोषित करते हैं और इनमें पसीना भी सूख जाता। ढीले-ढाले कपड़े पहनना भी अच्छा है, क्योंकि ये हवा को त्वचा तक पहुंचने देते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं।

खास खबर

दीपक बैज को नारी शक्ति के भावनात्मक पहलुओं का ज्ञान नहीं: केदार कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि नारी वंदन अधिनियम का लोकसभा में कांग्रेस यदि समर्थन करती तो आज परिस्थितियां कुछ और होतीं, लेकिन कांग्रेस ने इस बिल का विरोध कर मातृ शक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और अब जले पर नमक छिड़कने का काम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज कर रहे हैं। प्रदेश के केबिनेट मंत्री कश्यप ने कहा कि जिस तरह से विशेष सत्र को लेकर बैज का बयान आया है, वह बेहद ही निंदनीय है। हम विधानसभा में मातृ भावनाओं के मुताबिक मुद्दे पर चर्चा कर मातृ शक्ति की हितों की रक्षा को लेकर संकल्प लेंगे। मंत्री कश्यप ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक दिन जरूर लोकसभा में पारित होगा। इसकी चिंता बैज को नहीं करनी चाहिए। उनके लिए तो मातृ वंदन का मतलब ही कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की नेत्रियां सोनिया गांधी व प्रियंका वाड्रा है। इसके अलावा देश की मातृ शक्ति से कांग्रेसियों का कोई जुड़ाव नहीं है। यदि होता तो कांग्रेस जरूर इस बिल का समर्थन करती।

अग्निवीर परीक्षा के निशुल्क कोचिंग के लिए 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के ऐसे युवा जिन्होंने भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र जमा किया है वे ऑनलाईन परीक्षा की निशुल्क कोचिंग के लिए 30 अप्रैल तक रोजगार विभाग के पोर्टल पर आवेदन आमंत्रित है। युवाओं को 4 मई से 4 जून तक 1 माह के लिए निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। उम्मीदवार के चयन हेतु कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा जून 2026 में संभावित है। इसके बाद शारीरिक दक्षता एवं चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। अग्निवीर ऑफ्सि असिस्टेंट हेतु ऑनलाईन परीक्षा के समय टाईपिंग टेस्ट भी देना होगा। भर्ती की विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के अधिकारी रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 से प्राप्त कर सकते हैं ।

रात्रि चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को जनगणना हेतु किया जा रहा जागरूक

कोण्डागांव। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान गणना का शुभारंभ 01 मई से होने जा रहा है, जो 30 मई तक चलेगा। इस संबंध में जिले में ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम बड़ेकनेरा में रात्रि चौपाल के माध्यम से ग्रामवासियों को जनगणना के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ग्राम सरपंच प्रकाश चुरगिया रात्रि चौपाल में स्थानीय बोली हल्बी में ग्रामीणों को जनगणना के महत्व की जानकारी दी गई। इसके साथ ही वेणुगोपाल राव द्वारा स्वगणना की चरणबद्ध प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया।

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण प्रयासों की सराहना कर बढ़ाया प्रदेश का मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है।

मुख्यमंत्र साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ मन की बात की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उत्कृष्ट प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से संवाद करते हुए न केवल प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लाए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को साझा कर साथ में भोजन किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास, अपनापन और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ फ्लिम विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन,अजय जामवाल, अखिलेश सोनी, रमेश ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से गंगाधर नेताम बने सफल मत्स्य उद्यमी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कोंडागांव जिले में मत्स्य पालन क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य मत्स्य संसाधनों का संतुलित एवं समावेशी उपयोग सुनिश्चित करते हुए मछुआरों और मछली पालकों की आय में वृद्धि करना है। योजना के तहत भूमि एवं जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही मत्स्य उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

मत्स्य संपदा योजना का लाभ उठाकर जिले के ग्राम सातगांव के गंगाधर नेताम आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य पालन कर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पोंड लाइनर तकनीक से तालाब का निर्माण कराया है। इस पर कुल 14 लाख रुपये की लागत आई, जिसमें उन्हें 8 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस तकनीक की मदद से वे कम स्थान में अधिक उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि साल के दो सीजन में लगभग 35 क्विंटल तक मछली का उत्पादन होता है। जिससे सालाना लगभग 03 से 04 लाख रुपए तक की आय प्राप्त कर रहे हैं। गंगाधर नेताम ने बताया कि विभाग द्वारा योजना के लाभ के साथ साथ विभागीय अधिकारियों द्वारा सतत तकनीकी मार्गदर्शन भी मिला। जिससे उन्हें मछली पालन के कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिली। गंगाधर जैसे कई किसान इस योजना के माध्यम से मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं।

पोंड लाइनर तकनीक से कम जगह में अधिक उत्पादन

पोंड लाइनर तकनीक एक आधुनिक विधि है, जिसमें तालाब या जलाशय के तल और किनारों पर विशेष प्लास्टिक शीट बिछाई जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य पानी के रिसाव को रोकना और जल का संरक्षण करना है। यह तकनीक मत्स्य पालन, कृषि सिंचाई और वर्षा जल संचयन के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। लाइनर के उपयोग से पानी का रिसाव लगभग पूरी तरह रुक जाता है, जिससे कम पानी में भी लंबे समय तक उपयोग संभव होता है। मत्स्य पालन में पानी की स्थिरता बनी रहने से मछलियों की वृद्धि तेज होती है और उत्पादन बढ़ता है। इसके साथ ही बार-बार पानी भरने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे लागत कम होती है और लाभ बढ़ता है।

हीट वेव से बचाव के लिए अलर्ट: शासन-प्रशासन ने जारी किए व्यापक दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। भीषण गर्मी को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा कलेक्टर कार्यालय कोरबा ने वर्ष 2026 की ग्रीष्म ऋतु के लिए लू (हीट वेव) से बचाव हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य नागरिकों को गर्मी के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना और समय रहते जरूरी तैयारी सुनिश्चित करना है।

जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य से लेकर जिला, तहसील और विकासखण्ड स्तर तक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो सभी विभागों के बीच समन्वय बनाकर आवश्यक सूचनाएं और चेतावनी समय पर प्रसारित करेंगे। लू से बचाव के उपायों का प्रचार-प्रसार रेडियो, टेलीविजन, व्हाट्सएप, पोस्टर और पम्पलेट के माध्यम से किया जाएगा। गर्मी की तीव्रता को ध्यान में रखते हुए स्कूलों, शिक्षण संस्थानों और मनरेगा कार्यस्थलों के समय में भी बदलाव करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को तेज धूप से बचाया जा सके।

तापघात के प्रमुख लक्षणों में तेज सिरदर्द, चक्कर आना, तेज बुखार, मुंह सूखना, शरीर का तापमान बढ़ना, पसीना न आना, उल्टी, कमजोरी और अत्यधिक प्यास लगना शामिल हैं। अधिक से अधिक पानी पीने, ओआरएस, लस्सी, छाछ, नींबू पानी और बोरे-बासी जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी गई है। साथ ही हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनने, सिर को टोपी, गमछा या छाते से ढककर बाहर निकलने और दोपहर 12 से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न जाने की अपील की गई है।

पलायन, नौकरीपेशा या घर से बाहर रहने वालों के लिए वरदान है स्वगणना

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा । भारत की जनगणना 2027 कार्यक्रम शुरू हो गया है। यह 15 साल बाद हो रहा है। जो परिवार पलायन किये, नौकरीपेशा, 1 से 30 मई तक घर से बाहर रहने वाले हैं या घर से बाहर रहते हैं उन लोगों के लिए खुशखबरी की बात है। उन्हें जनगणना के लिए घर आने की जरूरत नहीं है, वे जहां है वहीं से जनगणना के फॉर्म को स्वगणना का ऑनलाइन फॉर्म 30 अप्रैल 2026 तक वेबसाईट (एसई डॉट सेंसस डॉट जीओव्ही डॉट इन) पर स्वयं भर सकते हैं, जिसके बाद उन्हें एक विशेष आईडी प्राप्त होगी। गणना कर्मी (प्रगणक) के घर पहुंचने पर यह आईडी दिखाने से पूरी प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। इसके लिए प्रगणक से संपर्क करना चाहिए। डिजिटल प्रक्रिया के तहत पलायन किये या मई में घर पर नहीं रहने वालों को इसका उपयोग किया जाना चाहिए ताकि वे जनगणना से वंचित नहीं हो। जनगणना में जो स्वगणना नहीं किये उनके लिए घर घर जाकर मकान सूचीकरण होगा, जो 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। इसके तहत लगभग 33 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें घर की स्थिति, पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी। मुख्य जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होकर मार्च 2027 तक पूरी की जाएगी। नागरिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आंकलन किया जाएगा।स्व-गणना सिर्फ सुविधा है, मजबूरी नहीं। अगर आप ऑनलाइन नहीं भर पाते तो जनगणनाकर्मी पहले की तरह घर आकर फॉर्म भरेंगे।

पहाड़ी कोरवा बेटी शाम कुमारी के सपनों को मिले पंख

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की महिलाएं, सरकारी योजनाओं और अपनी मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के धौरपुर क्षेत्र की रहने वाली शाम कुमारी पहाड़ी कोरवा की सफलता की कहानी अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मार्गदर्शन और जिला प्रशासन के पहल पर शाम कुमारी को स्वास्थ्य विभाग में रोजगार उपलब्ध कराया

गया है, जिससे अब वे अपनी उच्च शिक्षा का सपना स्वयं के दम पर पूरा कर रही हैं।

सरगुजा जिले के विकासखंड लुंड्रा के ग्राम पंचायत चिरमुण्डा निवासी शाम कुमारी वर्तमान में बी.एससी. अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। शिक्षा के प्रति उनके जज्बे और आर्थिक आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें 'शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नवापारा' में वार्ड आया के पद पर पदस्थ किया गया है।

अपनी खुशी साझा करते हुए शाम कुमारी कहती हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन रोजगार मिलने से अब राह आसान हो गई है। उन्होंने बताया, मैं बहुत खुश हूँ कि मुझे रोजगार का अवसर मिला है। अब मैं अपनी आगे की पढ़ाई का खर्च खुद उठा सकती हूँ और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद कर सकती हूँ।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

जिला प्रशासन की पहल पर डीएमएफ मद से शिक्षित पहाड़ी कोरवा युवक युवती को स्वास्थ्य विभाग में वार्ड बॉय और वार्ड आया के 30 पदों पर नियुक्ति किया गया है। शाम कुमारी ने इस अवसर के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन सरगुजा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहाड़ी कोरवा समुदाय के लिए शासन द्वारा उठाए जा रहे ये कदम समाज में नया हौसला भर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की बेटी शिवानी सोनी ने रचा इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय गोल्फखिलाड़ी 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' से सम्मानित

प्रदेश की प्रतिभा का विश्व स्तर पर बढ़ा गौरव, मंत्री राजेश अग्रवाल ने की मुलाकात कर दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अम्बिकापुर की प्रतिभाशाली गोल्फ खिलाड़ी शिवानी सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला खिलाड़ी के रूप में शिवानी को 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा सम्मानित किया गया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे भेंट कर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जब बेटियाँ अपनी मेहनत और प्रतिभा से सफलता के नए आयाम स्थापित करती हैं, तो पूरा समाज गर्व महसूस करता है। शिवानी सोनी की उपलब्धि न केवल युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभा का वैश्विक मंच पर सशक्त प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर शिवानी सोनी ने भी मंत्री श्री अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना गर्व की बात है और वह आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत करेंगी।

शिवानी की इस उपलब्धि से अम्बिकापुर सहित पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है तथा यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

कोया पुनेम कार्यशाला का समापन, परंपरा-संस्कृति और संवैधानिक जागरूकता पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। मुसालूर चौक स्थित गोंडवाना भवन में आयोजित पांच दिवसीय कोया पुनेम संवैधानिक कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक आयोजित इस कार्यशाला में जिले भर से करीब 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की पारंपरिक आस्था, संस्कृति और जीवन दर्शन को समझने के साथ-साथ युवाओं को अपनी मूल पहचान से जोड़ना रहा।

कार्यशाला के दौरान केबीकेएस (कोया बूमकाल क्रांति सेना) कांकेर के प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को पारंपरिक सामाजिक संरचना, प्रकृति आधारित जीवन शैली, संगठनात्मक व्यवस्था और सामुदायिक जीवन मूल्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में पारंपरिक त्योहारों, बोली-भाषा, सामाजिक रीति-रिवाजों और समुदाय आधारित निर्णय प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही पेसा कानून, रूढ़िजन्य पारंपरिक ग्राम सभा की भूमिका तथा संवैधानिक अधिकारों को लेकर भी प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

गोंडवाना समन्वय समिति के बीजापुर जिला अध्यक्ष अमित कोरसा ने कहा कि कोया पुनेम आदिवासी समाज की संपूर्ण जीवन पद्धति है, जिसमें प्रकृति संरक्षण, सामूहिकता, समानता और पारंपरिक न्याय व्यवस्था जैसे मूल तत्व शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना जरूरी है, ताकि सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रह सके। समापन कार्यक्रम में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने अनुशासन और सीखने की जो भावना दिखाई है, वह समाज को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कोया पुनेम, संवैधानिक जागरूकता, रोजगार के अवसर, जल-जंगल-जमीन और पेसा कानून को लेकर जागरूकता आवश्यक है। इस प्रशिक्षण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आयोजन समिति से जनप्रतिनिधियों के लिए भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण में अश्विनी कांगे, नारायण मरकाम, संदीप सलाम, जगत मरकाम, विष्णु देव पदा, धन्नू सलाम, ललित होड़ी, तुलसी ठाकुर और अंबिका कचलामे ने प्रशिक्षण दिया।

खास खबर

पेड़ में लटकी हुई मिली युवक और महिला की लाशें

बालोद। जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यहां एक युवक और महिला की लाश फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली है, इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, ये पूरा मामला बालोद के पाकुरभाट गांव की है, जहां युवक और महिला का शव खेत में अलग-अलग पेड़ पर फांसी के फंदे पर झूलते मिला है। सुबह जब ग्रामीणों ने पेड़ पर लटकते लाश को देखा तब उनकें होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को तत्काल सुचना दी। बताया जा रहा है कि, मृतक युवक अविवाहित था, वहीं महिला शादीशुदा थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या की आशंका जताई है। वहीं आस पास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

शादी घर में हत्या, भारी संख्या में फोर्स तैनात

राजनांदगांव। ग्राम रामाटोला में शादी समारोह के दौरान पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल बताया जा रहा है। मृतक की पहचान रामाटोला निवासी 20 वर्षीय योमिश सिन्हा के रूप में हुई है। कुछ दिन पहले ग्राम सांखरा में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान मृतक युवक का कुछ युवकों से विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने रविवार देर रात रामाटोला में चल रहे एक अन्य शादी समारोह में योमिश सिन्हा को घेर लिया। पहले उसके साथ मारपीट की गई और फिर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थिति को देखते हुए एहतियातन भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और पूरे मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

लापता नाबालिग की लाश टीपाखोल डैम में मिली

रायगढ़। तमनार थाना क्षेत्र से लापता एक नाबालिग का शव रविवार सुबह टीपाखोल डैम में मिला। तमनार जिंदल कॉलोनी निवासी दिलीप वैष्णव का पुत्र सार्थक वैष्णव (17) शनिवार सुबह 11 बजे घर से यह कहकर निकला था कि वह आ रहा है। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने दोस्तों और आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद तमनार थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। परिजनों ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस की तो अंतिम लोकेशन रायगढ़ के पतरापाली क्षेत्र में दिखी। रविवार सुबह परिजन और दोस्त पतरापाली पहुंचे, जहां टीपाखोल जलाशय के किनारे सार्थक की बाइक और चप्पल दिखाई दी। डीडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद नाबालिग का शव जलाशय से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

शादी समारोह में हाईवा की चपेट से 4 वर्षीय बच्चे की मौत

रायपुर। राजधानी के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत दौंदेकला गांव में एक शादी समारोह के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार यह घटना पूर्व उपसरपंच ढेलूराम वर्मा की पुत्री के विवाह समारोह के दौरान हुई। शादी में चूलमाटी की रस्म चल रही थी, जिसमें महिलाएं और परिजन पैदल एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गांव के रास्ते से गुजर रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ने अचानक नियंत्रण खो दिया और मां-बेटे को अपनी चपेट में ले लिया। मासूम बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों के भारी वाहन अक्सर गांव के रास्तों से तेज रफ्तार में गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है।

कारोबारी के 50 लाख लेकर भागा ड्राइवर

रायपुर में अकाउंटेंट को गुटखा लेने थाने के पास उतारा, गाड़ी और पैसे लेकर हुआ फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के गीतांजलि नगर इलाके में रहने वाले कंस्ट्रक्शन कारोबारी का 50 लाख लेकर ड्राइवर फरार हो गया। आरोपी कारोबारी के अकाउंटेंट को थाने के पास उतारकर गुटखा लेने भेजा। इस दौरान वह पैसे और गाड़ी लेकर भाग निकला।

कारोबारी के रिश्तेदार अखिलेश प्रसाद की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित कारोबारी का नाम उमेश प्रसाद है, जबकि आरोपी ड्राइवर का नाम कृष्णा साहू बताया जा रहा है। पुलिस आरोपी ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

खम्हारडीह पुलिस के अनुसार कारोबारी उमेश प्रसाद कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं और उनका घर गीतांजलि नगर में है। शनिवार 25 अप्रैल को उन्होंने अपने अकाउंटेंट और ड्राइवर कृष्णा साहू को 50 लाख रुपए नकद देकर कार (सीजी 04 ओजी 663) से घर पहुंचाने के लिए कहा।

अकाउंटेंट और ड्राइवर पैसे लेकर गीतांजलि नगर के लिए निकले। खम्हारडीह थाने से कुछ ही दूरी पर एक पान ठेले के पास ड्राइवर कृष्णा साहू ने अकाउंटेंट को गुटखा लाने के लिए कहा। जैसे ही अकाउंटेंट गाड़ी से नीचे उतरा, ड्राइवर ने गाड़ी स्टार्ट की और मौके से फरार हो गया। अकाउंटेंट ने घटना की जानकारी तुरंत कारोबारी को दी।

इसके बाद कारोबारी ने अपने रिश्तेदार अखिलेश प्रसाद को सूचित किया और आरोपी ड्राइवर के खिलाफ खम्हारडीह थाने में शिकायत दर्ज कराई। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

एक साल से काम कर रहा था ड्रायवर

बताया जा रहा है कि आरोपी कृष्णा साहू भाठागांव का रहने वाला है और पिछले एक साल से कारोबारी के यहां काम कर रहा था। घटना के बाद से उसका मोबाइल बंद है और वह फरार है। खम्हारडीह थाना पुलिस ने आरोपी के खिलावफ अमानत में खयानत और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में उसकी तलाश शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस बोली- आरोपी की जल्द होगी गिरफ्तारी

खम्हारी प्रभारी आईपीएस मान्सी नानाभाई साकुरे ने कहा कि कारोबारी के रिश्तेदार की शिकायत पर आरोपी ड्रायवर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ जांच की जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी से 12 दिन पहले रेप-केस में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता रवि चंद्रवंशी को रेप केस में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 7 मई को रवि की शादी होने वाली थी। वह शादी का कार्ड बांट रहा था, पुलिस ने उसे रायपुर से पकड़ा है। उसकी गर्लफ्रेंड ने कवर्धा महिला थाने में दुष्कर्म की शिकायत की थी।

मामला कवर्धा थाना क्षेत्र का है। रवि कवर्धा जिला किसान कांग्रेस संघ का अध्यक्ष है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि, वो और रवि 10 साल से रिलेशन में थे। उसने शादी का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए और बाद में शादी से मना कर दिया। 26 अप्रैल को पुलिस उसे रायपुर से पकड़कर अपने साथ कवर्धा ले गई।

पहले जोगी कांग्रेस में था रवि

जानकारी के मुताबिक, रवि चंद्रवंशी पहले जोगी कांग्रेस में था और पंडरिया विधानसभा से चुनाव भी लड़ चुका है। करीब 2 साल पहले कांग्रेस में वापसी के बाद उसे किसान कांग्रेस संघ में पद मिला था। रवि चंद्रवंशी कवर्धा में कांग्रेस पार्टी में सक्रिय नेता है। वह सोशल मीडिया पर अक्सर पार्टी के सीनियर लीडर के साथ फोटो अपलोड किया करता है। मामला सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज, सचिन पायलट जैसे तमाम बड़े नेताओं के साथ उसकी फोटो वायरल हो रही है।

गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया

कवर्धा एसडीओपी आशीष शुक्ला ने कहा कि, पीड़िता ने कल महिला थाने में लिखित शिकायत की थी। इस रिपोर्ट के आधार पर समुचित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी रवि को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया। रायपुर से हमारी टीम रवि कवर्धा लेकर आई है। फिलहाल न्यायालय में पेश कर आगे की करवाई की जा रही है।

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार, लाखों की नशीली कैप्सूल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बस्तर पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल की बड़ी खेप जब्त की है।

जगदलपुर के बोधघाट थाना क्षेत्र में बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंडस्ट्रियल एरिया नयामुंडा में तीन युवक स्कूटी पर अवैध नशीली कैप्सूल बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर टीम गठित कर मौके पर रेड की गई। रेड के दौरान तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया, जिनकी तलाशी लेने पर उनके पास से Pyeevon Spas Plus Tramadol HCL के कुल 60 पत्ते, यानी 480 कैप्सूल बरामद किए गए। जब्त सामग्री की कीमत करीब 1 लाख 92 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सामूहिक रूप से नशे का कारोबार करते थे और युवाओं को इसकी गिरफ्त में धकेल रहे थे। तीनों आरोपी जगदलपुर के अलग-अलग इलाकों के निवासी हैं। आरोपियों के खिलाफ ,एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ष्ट) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। साथ ही आरोपियों के पास से 680 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। बस्तर पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल तीनों आरोपी पुलिस गिरफ्त में हैं और मामले की जांच जारी है। बस्तर पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियो में

1. सुजीत विश्वकर्मा (34 वर्ष)
2. सुरेश कुमार नाग (40 वर्ष)
3. लोकेश्वर राव (20 वर्ष) ।

रायपुर में डॉक्टर से साइबर ठगों ने ठगे 1.50 लाख

ट्रेडिंग का झांसा देकर ठगों ने 13 किश्तों में कराए पैसे ट्रांसफर , व्हाट्सएप के जरिए किया कंटेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में ठगों ने महिला डॉक्टर को ट्रेडिंग स्कीम में मुनाफे का झांसा देकर 1.51 लाख रुपए ठग लिए। जब पैसे रिटर्न मिले तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता डॉ. पूजा किशोर ने पुलिस को बताया कि वह बालगोपाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल में डॉक्टर हैं और अस्पताल के हॉस्टल में रहती हैं। 24 अप्रैल 2026 को उनके व्हाट्सऐप पर दो अलग-अलग नंबरों से मैसेज आया। मैसेज करने वालों ने खुद को निवेश योजना से जुड़ा बताया और ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच दिया।

ठगों ने यूपीआई के जरिए ट्रांसफर कराए पैसे

ठगों ने डॉक्टर को विश्वास में लेकर अलग-अलग किश्तों में यूपीआई के जरिए पैसे ट्रांसफर कराए। डॉक्टर ने कुल 13 ट्रांजेक्शन में रकम भेजी। इनमें 22,178 रुपए, 22,177 रुपए,

5,000 रुपए, 22,937 रुपये, 15,999 रुपये, 22,937 रुपये, 10,212 रुपये और 29,999 रुपये सहित कुल 1,51,439 रुपए ट्रांसफर किए गए। डॉ. पूजा ने बताया कि उनके बैंक खाते की ट्रांजेक्शन लिमिट 1 लाख रुपए थी। इसलिए ठगों के कहने पर उन्होंने अपने दोस्तों लोकेश बांडेबुच्चे और निरंजन सावंत के खातों से भी पैसे ट्रांसफर कराए। यह रकम कोटक महिंद्रा बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अलग-अलग खातों में भेजी गई।

पैसे रिटर्न नहीं होने पर मिलने पर ठगी का एहसास

जब ठगों ने और पैसे मांगने शुरू किए और कोई रिटर्न नहीं मिला, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस 2023 की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस संबंधित मोबाइल नंबर, बैंक खाते और यूपीआई आईडी की पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया या व्हाट्सऐप पर आने वाली किसी भी निवेश योजना पर बिना जांच-परख के भरोसा न करें।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह का आरोपी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कैम्प-2 बैकुंठ धाम वाटिका गेट के सामने एक व्यक्ति गुरु 777 नाम के एप के जरिए ऑनलाइन सट्टा चला रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। पुलिस ने क्रेटा कार को रोका और जांच शुरू की। तलाशी के दौरान कार में बैठे आरोपी को ऑनलाइन सट्टा चलाते हुए पकड़ा गया। आरोपी का नाम इरफान पाशा बताया गया है, जिसकी उम्र करीब 35 साल है और वह खुर्सीपार, भिलाई का रहने वाला है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से कई इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किए हैं। इनमें एक क्रेटा कार, एक डेल इंस्पिरॉन लैपटॉप, एक आईफोन 16 प्रो मैक्स और एक अन्य स्मार्ट मोबाइल शामिल है। पुलिस के अनुसार जब्त सामान की कुल कीमत लाखों रुपए में है।

जांच में यह सामने आया है कि आरोपी ऑनलाइन एप के जरिए लोगों से हार-जीत का दांव लगवाकर सट्टा चला रहा था। इससे वह अवैध तरीके से पैसा कमा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

घर के सामने पेशाब करने से रोका तो लाठी-डंडे से पीटा, 4 महिलाएं घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में देर रात 20 से ज्यादा नकाबपोश बदमाशों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। यह घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। चिंगराजपारा में रहने वाले घायल सनत सारथी के अनुसार वह रात करीब 12 बजे खाना खाने के बाद मोहल्ले में टहल रहा था, तभी विक्की अहिरवार अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

इसके बाद आरोपियों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में सनत सारथी के सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी पत्नी रेखा सारथी को भी नहीं बख्शा और उनके पैर में चोट लगी। इसके अलावा बेदू विश्वकर्मा, सोनी सिंह ठाकुर और तिलक दास मानिकपुरी को भी गंभीर चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपियों ने महिलाओं के साथ भी मारपीट की, जिससे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस घटना से दो दिन पहले एक मामूली विवाद हुआ था। आरोपी पक्ष पीड़ित के घर के सामने पेशाब कर रहा था, जिसका विरोध करने पर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी बात का बदला लेने के लिए आरोपियों ने प्लानिंग के तहत हमला किया।

मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि 20 से ज्यादा युवक मुंह ढके और नकाब पहनकर पहुंचे थे। सभी के हाथों में लाठी-डंडे थे और आते ही उन्होंने हमला शुरू कर दिया।

इस पूरे मामले में सरकंडा पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पुरानी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

महासमुंद में आईपीएल सट्टे का डिजिटल नेटवर्क हुआ ध्वस्त, मास्टरमाइंड सहित 6 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद में ऑनलाइन आईपीएल सट्टे का ऐसा जाल टूटा कि पुलिस की कार्रवाई ने पूरे नेटवर्क की परतें खोल दीं, जहां करोड़ों के लेनदेन के साथ चल रहा हाईटेक सट्टा कारोबार अब सलाखों के पीछे पहुंच गया है।

थाना महासमुंद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सटीक सूचना के दम पर उस मास्टरमाइंड एडमिन को पकड़ लिया जो पूरे खेल को ऑपरेट कर रहा था और अलग-अलग पैनल के जरिए देशभर में सट्टा चला रहा था, दरअसल 8 अप्रैल 2026 को बाबा फैमिली ढाबा घोड़ारी के पास पॉवर एक्स व्हाट्सएप ग्रूप के जरिए सट्टा खेलते 6 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब जांच आगे बढ़ाई तो बड़ा नेटवर्क सामने आया।

तकनीकी साक्ष्य और डिजिटल ट्रैकिंग से खुलासा हुआ कि रायपुर और बेमेतरा में बैठे सटोरिए ऑनलाइन पैनल के जरिए आईपीएल मैचों में सट्टा संचालित कर रहे थे और बार-बार लोकेशन बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे, जांच में सामने आया कि इन पैनलों के पांच नेटवर्क में 10 मास्टर लॉगिन एक्टिव थे जिनके जरिए करीब 1 करोड़ 15 लाख रुपए का सट्टा खेला और खिलाया जा चुका था।

इसके बाद पुलिस टीम ने रायपुर से 4 और बेमेतरा से 1 समेत कुल 5 सटोरियों को हिरासत में लिया और पूछताछ में मुख्य एडमिन निशांत नागवानी का नाम सामने आया जो पूरे नेटवर्क का कंट्रोलर था, वह आईडी बेचता था, पैसे का वितरण करता था और पूरे सट्टे के सिस्टम को रेगुलेट करता था।

पुलिस ने 25 अप्रैल 2026 को कार्रवाई करते हुए आरोपी दुर्गेश डहरे उर्फ योगेश (33) निवासी भाठागांव टिकरापारा रायपुर, ललित चावला (41) महावीर नगर राजेंद्र नगर रायपुर, अंशु बग्गा (31) वार्ड 08 बेमेतरा, सौरभ जैन (38) सेक्टर 16 डीडी नगर रायपुर, विजय वर्मा (39) नरदहा विधानसभा रायपुर और मास्टरमाइंड निशांत नागवानी (34) देवपुरी रायपुर को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 22 मोबाइल फोन और 1 करोड़ 15 लाख रुपए के ऑनलाइन सट्टे का रिकॉर्ड बरामद किया गया, जब्त कुल संपत्ति की कीमत लगभग 2 करोड़ 46 हजार 400 रुपए आंकी गई है, पुलिस ने इस पूरे मामले में छत्तीसगढ़ जुआ एक्ट की धारा 6 और 7 के साथ आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि महासमुंद पुलिस अब डिजिटल सट्टे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के मिशन पर है, बहरहाल यह उन सभी के लिए कड़ी चेतावनी है जो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के पर्दे में कानून को चुनौती देकर करोड़ों का अवैध खेल चला रहे हैं।

ट्रेलर से टकराकर गिरे बाइक सवार, एक की मौत

कोरबा। कोरबा में कटघोरा-बिलासपुर मार्ग पर कसनिया के पास हुए हादसे में तीन युवक बुरी तरह से घायल हो गए। दर्री पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत लाटा बस्ती में रहने वाले 22 वर्षीय प्रवेश यादव की दुर्घटना में मौत हो गई। शनिवार शाम वह अपने दो दोस्तों के साथ पल्सर बाइक पर सवार होकर बारात से दर्री लौट रहे थे। कसनिय मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर चालक ने बाइक के करीब से ट्रेलर को निकाला, ट्रेलर से टकरा कर तीनो बाइक जड़ गिर गए।

रविवार को इलाज के दौरान प्रवेश की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज हास्पिटल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम किया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया है।

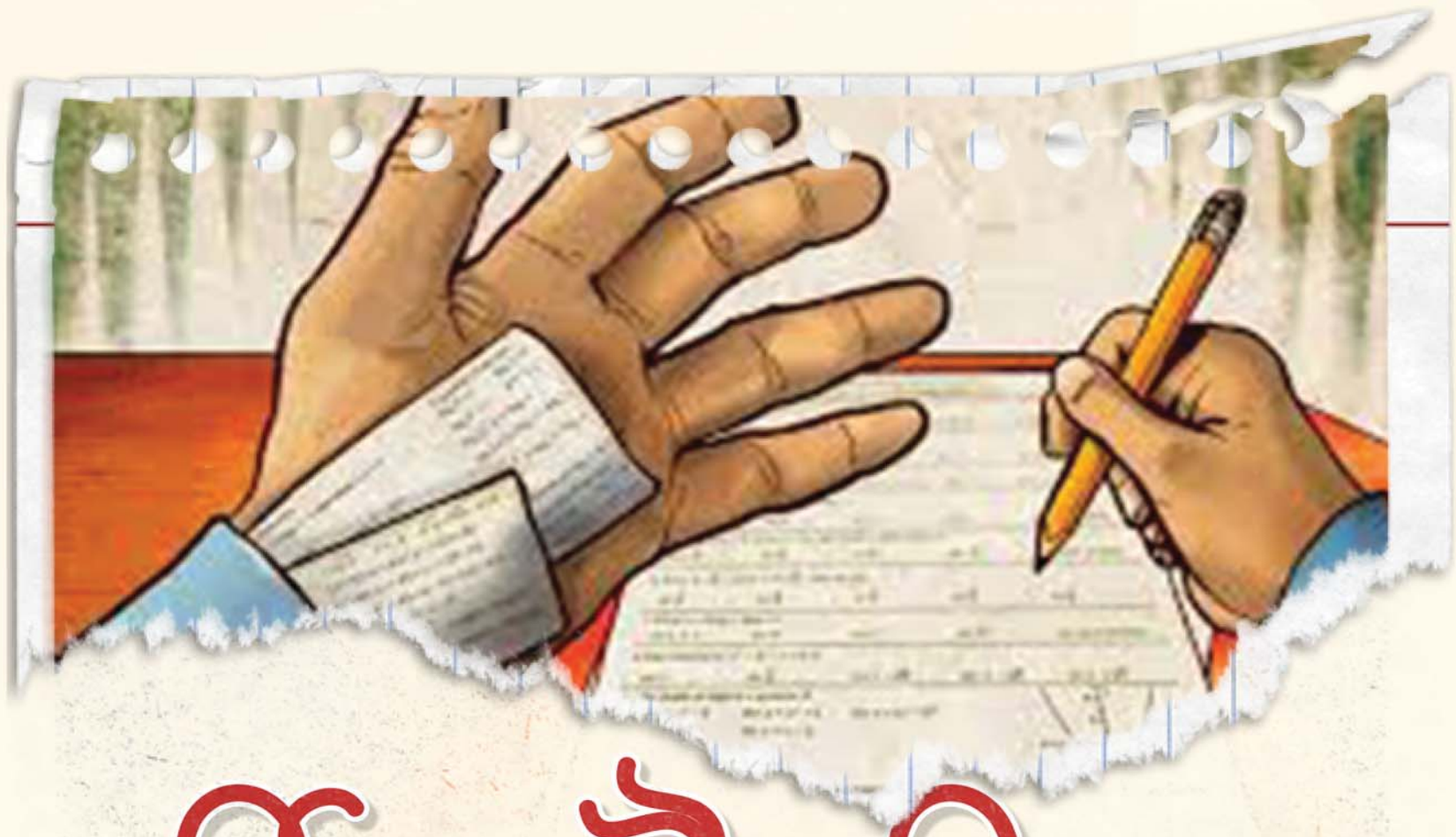

पारदर्शिता और विश्वास

परीक्षा में नकल अब अपराध

छत्तीसगढ़ लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक 2026

पेपर लीक, तकनीकी धोखाधड़ी व नकल गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर 3 से 10 वर्ष की सजा और ₹10 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

RO - 47590/40

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950